रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

गुरुवार

21 मई-2026

वर्ष 10, अंक 256

पेज 8, मूल्य 2 रुपए

रांची

पेज-8

पीक पर गर्मी, झुलसा रहे 'लू' के थपेड़े

● अगले 7 दिन 10 राज्यों में चलेंगी गर्म हवाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में गर्मी अपने पीक पर है। इस बीच मौसम एजेंसी स्काईमेट ने अरब सागर के ऊपर नया सिस्टम बनने की जानकारी दी है, जो मानसूनी हवाओं को कमजोर कर सकता है। इससे केरल समेत दक्षिण भारत में बारिश कम होने की आशंका है। एजेंसी ने यह भी कहा है कि मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, छत्तीसगढ़, ओडिशा, महाराष्ट्र और गुजरात समेत देश के 10 राज्यों में अगले एक हफ्ते तक सूखी-गर्म हवाएं चलेंगी। एजेंसी के मुताबिक इस दौरान इन राज्यों में अधिकतम तापमान 45 डिग्री या उससे ज्यादा रहेगा। वेस्टर्न

डिस्टर्वेंस कमजोर होने और कोई ऐक्टिव वेदर सिस्टम नहीं होने की वजह से बारिश की कोई संभावना नहीं है।

शहरों में फील टेंपरेचर 4 सेंटीग्रेट तक अधिक

वास्तविक तापमान और फील टेंपरेचर में हर शहर में औसत 2 से 4 डिग्री तक का अंतर है। क्लाइमेट एक्सपर्ट के मुताबिक, मौसम विभाग जो तापमान बताता है, लोगों को उससे कहीं ज्यादा गर्मी महसूस हो रही है। इसका सबसे बड़ा कारण तेजी से होता शहरीकरण है। इससे तापमान में उछाल आ रहा है। फील फैक्टर तेजी से बढ़ता जा रहा है। भारत को भिगोने वाले दक्षिणी-पश्चिमी मानसून ने मंगलवार को कोमरिन सागर, श्रीलंका, बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिमी भाग के कुछ और हिस्सों को कवर कर लिया।

यूपी में अगले 5 दिनों तक चलेगी हीटवेव

मौसम विभाग के मुताबिक अगले 5 दिन तक पूरे प्रदेश में गर्मी रहेगी। आज हीटवेव का 11 जिलों में रेड, 14 जिलों में ऑरेंज और 28 जिलों में यलो अलर्ट है। ज्यादातर जिले लू की चपेट में रहेंगे। 20 से 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गर्म हवाएं चलेंगी। दिन का तापमान 44 से 48 डिग्री तक पहुंच सकता है। वहीं राजस्थान में गर्मी और हीटवेव का असर तेज हो गया है। सिरोही को छोड़कर राज्य के सभी जिलों में मंगलवार को अधिकतम तापमान 40 से 47 डिग्री के बीच रहा। जयपुर में रात की गर्म बनी हुई हैं। मंगलवार को यहां मिनिमम तापमान 31.3 रहा। बिहार में आज 33 जिलों में आंधी-बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट है। मौसम विभाग ने 14 जिलों में ऑरेंज और 18 में यलो अलर्ट जारी किया है। अगर बारिश होती है तो अधिकतम तापमान 2 से 3 डिग्री तक गिर सकता है।

संक्षिप्त समाचार

नितिन नवीन की नई टीम में अन्नामलाई की एंट्री!

● बीजेपी की संभावित लिस्ट में कई चौंकाने वाले युवा नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन अगले हफ्ते अपनी नई टीम की घोषणा कर सकते हैं। उनकी टीम के जो संभावित नाम हाथ लगे हैं, उनमें ज्यादातर युवा चेहरे हैं। सबसे चौंकाने वाला नाम तमिलनाडु बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व आईपीएस के अन्नामलाई का है। नितिन नवीन की अगुवाई में बीजेपी को पश्चिम बंगाल और असम में अप्रत्याशित जीत हासिल हुई है। पुडुचेरी में भी बीजेपी गठबंधन की सत्ता में वापसी हुई है। चुनाव से पहले पांच राज्यों में से सिर्फ दो में ही एनडीए की सरकारें थीं, अब तीन राज्यों में गठबंधन ने भगवा लहरा दिया है। ऐसे में पार्टी अध्यक्ष पर अब यूपी, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में चुनाव की जिम्मेदारी है, जिनमें से चार में बीजेपी की सरकारें हैं।

● **बीजेपी में फेरबदल के बाद मंत्रिपरिषद में बदलाव संभावित-** नितिन नवीन 20 जनवरी, 2026 को बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। पांच महीने बाद भी बीजेपी संगठन में उन्होंने अपनी टीम नहीं बनाई है। पार्टी के सारे पदाधिकारी पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के कार्यकाल के हैं। माना जा रहा है कि पहले नितिन नवीन पार्टी संगठन में अपनी नई टीम गठित करेंगे, फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने मंत्रिपरिषद में फेरबदल कर सकते हैं।

आर्थिक तूफान सर पर, प्रधानमंत्री इटली में टॉफी बांट रहे

● मेलोनी को मेलोडी चॉकलेट देने पर राहुल गांधी का तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी को मेलोडी चॉकलेट गिफ्ट की। इसका वीडियो बनाकर इटली की पीएम ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर किया। सोशल मीडिया पर ये वीडियो जमकर वायरल हुआ, जिसके बाद अब लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने इस पर तंज कसा। आर्थिक तूफान सर पर है, और हमारे प्रधानमंत्री इटली में टॉफी बांट रहे हैं! बता दें कि पीएम मोदी 5 देशों की यात्रा पर भारत से रवाना हुए थे। जिसमें वह सबसे पहले यूएई गए थे। यहां कुछ घंटे रुकने के बाद प्रधानमंत्री यूएई से नीदरलैंड के लिए रवाना हो गए थे। नीदरलैंड की यात्रा पूरी होने के बाद पीएम मोदी स्वीडन पहुंचे और इसके बाद वह नॉर्वे रवाना हो गए थे।

ड्रोन से दागी जाने वाली मिसाइल का ट्रायल पूरा

● टैंक, हेलीकॉप्टर और दूसरे ड्रोन को बना सकेगी निशाना ● डीआरडीओ ने स्वदेशी कंपनियों के साथ कर दिया कमाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन ने ड्रोन से दागी जाने वाली मिसाइल का ट्रायल पूरा कर लिया है। इस मिसाइल का नाम यूएलपीजीएम-वी3 है। यह हवा से हवा और हवा से जमीन दोनों तरह के टारगेट पर सटीक हमला कर सकती है। हवा में दुश्मन के हेलिकॉप्टर, ड्रोन और दूसरे हवाई टारगेट को मार गिरा सकती है। वहीं जमीन पर टैंक, सैन्य वाहन और बंकर को निशाना बना सकती है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, मिसाइल का परीक्षण आंध्र प्रदेश के कुर्नूल स्थित टेस्ट रेंज में किया गया। इसमें इंटीग्रेटेड ग्राउंड कंट्रोल सिस्टम का इस्तेमाल किया गया, जो लॉन्च और कमांड सिस्टम को कंट्रोल करता है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा यह मिसाइल को बनाने में मिली सफलता रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में अहम कदम है।

डीआरडीओ ने भारतीय कंपनियों के साथ तैयार किया

इस मिसाइल को डीआरडीओ के हैदराबाद स्थित रिसर्च सेंटर इमारत की अगुआई में डेवलप किया गया है। इसके साथ डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट लेबोरेटरी, टर्मिनल बैलिस्टिक्स रिसर्च लेबोरेटरी और हाई एनर्जी मटेरियल्स रिसर्च लेबोरेटरी भी इस प्रोजेक्ट में शामिल रहीं। प्रोडक्शन के लिए डीआरडीओ ने भारत डायनेमिक्स लिमिटेड और अडानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज के साथ साझेदारी की है। ट्रायल में इसे बनाए ड्रोन के साथ टेस्ट किया गया।

पहली बार 50 हजार जवानों की अलग ड्रोन फोर्स भी होगी

ऑपरेशन सिंदूर, रूस-यूक्रेन और अमेरिका-इजराइल-ईरान जंग के बाद भारत ने एक 'ड्रोन फोर्स' बनाने का फैसला किया है। यह फोर्स किसी भी सैन्य कार्रवाई में 'फर्स्ट रेस्पोंडर' (पहली जवाबी कार्रवाई) के तौर पर तैनात की जाएगी। इसे डेटा और कॉग्निटिव वारफेयर फोर्स का तकनीकी का सपोर्ट होगा। इंटीग्रेटेड रक्षा मुख्यालय के मुताबिक इस फोर्स के लिए अभी 50 हजार सैन्य कर्मियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। अगले 3 साल में 15 नए 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' बनाए जाएंगे। यहां सिम्युलेटर और वर्चुअल रियलिटी के जरिए रीयल-टाइम बैटल ट्रेनिंग दी जाएगी।

शरद पवार उवाच, पीएम देश के लिए काम कर रहे

● कहा-जब बात देश के सम्मान की हो तब राजनीतिक मतभेद बीच में नहीं लाना चाहिए

मुंबई (एजेंसी)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने मंगलवार को पीएम की तारीफ की। पवार ने कहा- भले ही हमारी राजनीतिक सोच पीएम नरेंद्र मोदी से अलग हो, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि प्रधानमंत्री के रूप में वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब भी राष्ट्रीय हित में सामूहिक रूप से काम करने का अवसर मिले, तब सभी को साझा उद्देश्य के साथ आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक विचार अलग हो सकते हैं, लेकिन देश के सम्मान को लेकर मतभेद आड़े नहीं आने चाहिए। पवार पुणे स्थित लक्ष्मणराव गुट्टे रूरल डेवलपमेंट फाउंडेशन की ओर से आयोजित पूर्व राज्य और जिला पदाधिकारियों के सम्मान समारोह में बोल रहे थे। पवार ने कहा कि 1958 में 18 साल की उम्र में वे बारामती से पुणे आए थे, क्योंकि उस समय उनके शहर में कॉलेज नहीं था। पवार ने कहा कि उन्होंने युवा आंदोलन से राजनीति की शुरुआत की, चार साल बाद पुणे के प्रमुख बने। उसी समय जवाहर लाल नेहरू पुणे आए थे।

इंदिरा गांधी से जुड़ा एक किस्सा भी साझा किया

पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से जुड़ा एक किस्सा साझा करते हुए पवार ने कहा- सोवियत संघ के आधिकारिक दौरे के दौरान इंदिरा गांधी को लगा कि भारत के प्रधानमंत्री को उचित सम्मान नहीं दिया गया। पूर्व प्रधानमंत्री इन्द्र कुमार गुजराल के साथ हुई बातचीत का जिक्र करते हुए पवार ने कहा कि इंदिरा गांधी ने सोवियत अधिकारियों से कहा था- मैं भारत के 40 करोड़ लोगों का प्रतिनिधित्व करती हूं। उनकी प्रतिष्ठा का सम्मान होना जरूरी है।

फाल्टा में किरकिरी, अब 43 प्रॉपर्टी की लिस्ट जारी

मुश्किल में फंसे ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी

केएमसी का नोटिस, प्रॉपर्टी पर अवैध कब्जों का शिकंजा

कोलकाता (एजेंसी)। विधानसभा चुनाव में हार के बाद टीएमसी के नंबर-2 और टीएमसी के शासन के दौरान सबसे ताकतवर रहे अभिषेक बनर्जी मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। फाल्टा चुनाव के लिए गुरुवार को वोट डाले जाएंगे और मंगलवार को इस सीट से चुनाव लड़ रहे टीएमसी कैंडीडेट जहांगीर खान ने अपनी उम्मीदवारी वापस ले ली। फाल्टा विधानसभा डायमंड हार्बर लोकसभा सीट का हिस्सा है, जहां से ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी सांसद हैं। इससे पहले सोमवार शाम को कोलकाता नगर निगम (केएमसी) ने अभिषेक बनर्जी के घर शांति निकेतन पर नोटिस चिपकाया, जिसमें उनसे जुड़ी 17 प्रॉपर्टी के हिस्सों को गिराने का आदेश है।

अभिषेक बनर्जी को फाल्टा में मिली थी 1.68 लाख की लीड

पहली बात फाल्टा उपचुनाव की। वोटिंग से पहले टीएमसी कैंडिडेट जहांगीर खान के पैर खींचने से टीएमसी की ज्यादा किरकिरी हो रही है। टीएमसी का आरोप है कि बीजेपी की धमकियों के कारण जहांगीर बैकफुट पर गए। फाल्टा विधानसभा सीट अभिषेक बनर्जी के लोकसभा क्षेत्र में आता है। 2024 में अभिषेक बनर्जी ने डायमंड हार्बर से सात लाख से अधिक वोटों से जीत हासिल की थी।

ऑनलाइन बिक्री का विरोध सड़क पर दवा व्यापारी

● देशभर में 15 लाख मेडिकल स्टोर बंद कर जताया विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)। दवाओं की ऑनलाइन बिक्री और बड़ी कंपनियों के कॉम्पटीशन के विरोध में बुधवार को देशभर के 15 लाख से ज्यादा मेडिकल स्टोर बंद हैं। ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स ने एक दिन की हड़ताल का ऐलान किया है। बंद का मामूली असर दिख रहा है। पटना के एम्स के बाहर मरीज और उनके परिवार वाले दवाओं के लिए परेशान दिखे। वहीं, चंडीगढ़ के पीएनजी में इलाज कराने आए कश्मीर के एक परिवार को भी दवाई नहीं मिल सकी। उसने कहा, दवाएं नहीं मिल रही हैं। हालांकि, एजेंसी ने कहा था कि बंद के दौरान भी अस्पतालों से जुड़े मेडिकल स्टोर खुले रहेंगे। इमरजेंसी दवाओं की सप्लाई में कोई रुकावट नहीं आने दी जाएगी।

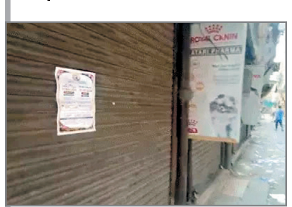

दवा दुकानदारों की 4 मांगें- बिना नियमों के चल रही ऑनलाइन दवाओं की बिक्री से मोहल्ले की छोटी दुकानों को नुकसान हो रहा है और लोगों की सेहत के लिए भी खतरा पैदा हो गया है। इसे रोका जाए। इस पूरे विवाद से जुड़े सरकार के दो नियम हैं। संगठन के मुताबिक इन नियमों की कमियों का फायदा उठाकर ही ऑनलाइन दवा कंपनियां ऐसा कर रही हैं। इसे वापस लिया जाए।

राज्य सरकार ने एक साथ 201 डीएसपी स्तर के अधिकारियों का तबादला किया

दैनिक अलग पहचान, डेस्क संवाददाता, रांची /

झारखंड पुलिस विभाग में बड़े स्तर पर प्रशासनिक बदलाव किया गया है। राज्य सरकार ने एक साथ 201 डीएसपी स्तर के अधिकारियों का तबादला कर दिया है। गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से इसकी अधिसूचना जारी कर दी गई है। इतने बड़े पैमाने पर डीएसपी स्तर के अधिकारियों का तबादला पहली बार हुआ है, जिसे पुलिस विभाग में बड़ी प्रशासनिक कवायद माना जा रहा है। इस फेरबदल में रांची, धनबाद, बोकारो, जमशेदपुर, सरायकेला और हजारीबाग समेत कई जिलों में पुलिस व्यवस्था में बदलाव देखने को मिलेगा।

● **रांची में कई नए डीएसपी को मिली जिम्मेदारी-** राजधानी रांची में भी कई महत्वपूर्ण पदों पर नए अधिकारियों की तैनाती की गई है। नीरज कुमार को हटिया डीएसपी बनाया गया है। वहीं दीपक कुमार को बेड़ो डीएसपी और मनीष चंद्र लाल को सिल्ली डीएसपी की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा अजय आर्यन को मुख्यालय 2 रांची, रामाकांत रजक को ट्रैफिक 1 और ताराश सोरेन को ट्रैफिक 2 की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रदीप कुमार को साइबर डीएसपी बनाया गया है। माना जा रहा है कि साइबर अपराध पर नियंत्रण को लेकर विभाग अब और ज्यादा फोकस करेगा।

देख ले दुनिया! चांद पर पहुंच गया 'सपेरों का देश'

● अपनी कुंठा में मगन यूरोप, अभी और जलाएगी भारत की तरक्की

नई दिल्ली (एजेंसी)। हां, हम सपेरे हैं! और हमारी इस स्वीकारोक्ति में कोई शर्म नहीं, बल्कि 21वीं सदी के नए वैश्विक यथार्थ का सबसे बड़ा व्यंग्य छिपा है। हम वाकई सपेरे हैं, क्योंकि आज जब पूरी दुनिया आर्थिक मंदी, युद्ध की विभीषिका और कूटनीतिक अस्थिरता के जहरीले फन के आगे खौफजदा है, तब नया भारत अपनी नीतियों की 'बीन' से इन सभी वैश्विक संकटों को काबू कर रहा है। हाल ही में नॉर्वे के एक अखबार ने भारतीय प्रधानमंत्री को एक सपेरे के रूप में दर्शाते हुए जो कार्टून छापा है, वह कोई रचनात्मक व्यंग्य नहीं है। यह दरअसल उस यूरोपीय और पश्चिमी मीडिया की हताशा का प्रकटीकरण है, जो 19वीं सदी के 'कोलोनियल हैंगओवर' से आज तक बाहर नहीं आ सका है।

अंतरिक्ष से लेकर सिलिकॉन वैली तक- 'बीन' की नई धुन

आज का भारत उस औपनिवेशिक ढांचे को तोड़कर बहुत आगे निकल चुका है। नॉर्वे के अखबार या अन्य पश्चिमी मीडिया घरानों की यह कुंठा दरअसल भारत की वर्तमान सफलताओं को पचा न पाने का सीधा परिणाम है। जिस देश को वे दशकों तक दान और दया का पात्र मानते थे, आज वह उनकी आंखों में आंखें डालकर बात कर रहा है। दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग कर रहा है।

इतिहास का आईना और पश्चिमी कुंठा

पश्चिमी देशों ने सदियों तक 'वाइट मैन्स बर्डन' के नाम पर दुनिया को लूटा और अपने साम्राज्यवाद को सही ठहराने के लिए भारत जैसी प्राचीन सभ्यताओं की एक स्टीरियोटाइप छवि गढ़ी। सपेरों का देश, हाथियों का देश, जादू-टोने का देश- ये वे नैरेटिव थे जो उनके अखबारों और साहित्य ने बेचे। लेकिन वे यह भूल गए कि जब यूरोप अंधकार युग में जी रहा था, तब भारत तक्षशिला और नालंदा से दुनिया को ज्ञान बांट रहा था। आज नॉर्वे के अखबार का यह कार्टून उसी ऐतिहासिक कुंठा की राख में सुलगती हुई ईर्ष्या है। उन्हें दर्द इस बात का नहीं है कि भारत में सपेरे हैं, दर्द इस बात का है कि भारत अब उनका सपेरा बन गया है।

'सपेरों का देश' एक गढ़ी हुई छवि

भारत को सपेरों, हाथियों और जादूगरों का देश कहना कोई स्वाभाविक बात नहीं थी; यह 18वीं और 19वीं सदी के ब्रिटिश और यूरोपीय उपनिवेशवादियों द्वारा बेहद चालाकी से गढ़ा गया एक नैरेटिव था। इस एजेंडे का मुख्य उद्देश्य भारत की समृद्ध बौद्धिक, वैज्ञानिक और दार्शनिक विरासत को दुनिया की नजरों से छिपाना था। पश्चिमी देशों को यह साबित करना था कि पूर्व के देश 'असभ्य' हैं, ताकि वे दुनिया पर अपने शासन और लूट को 'वाइट मेन्स बर्डन' कहकर सही ठहरा सकें। प्रसिद्ध आर्थिक इतिहासकार एंगस मैडिसन के आंकड़ों के अनुसार, 17वीं सदी की शुरुआत में वैश्विक जीडीपी में भारत की हिस्सेदारी लगभग 23-24 फीसदी थी, जो पूरे यूरोप की कुल अर्थव्यवस्था से कहीं अधिक थी। जिस देश ने दुनिया को शून्य दशमलव प्रणाली दी उसे बदनाम करते हैं।

संक्षिप्त समाचार

प्रदेश में एक साथ 201 डीएसपी का तबादला, रांची में भी बदले गए कई डीएसपी

रांची, एजेंसी। झारखंड के पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल किया गया है। राज्य सरकार ने एक साथ 201 डीएसपी का तबादला करते हुए अधिसूचना भी जारी कर दी है। रांची में भी कई महत्वपूर्ण पद पर नए डीएसपी योगदान देंगे। झारखंड में पहली बार एक साथ 201 डीएसपी स्तर के पुलिस पदाधिकारियों का तबादला किया गया है। गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने इससे संबंधित अधिसूचना जारी कर दी है। तबादले की लिस्ट में कई ऐसे डीएसपी हैं, जो लंबे समय से एक ही स्थान पर पदस्थापित थे। विभाग ने उन्हें नई जिम्मेदारी सौंपी है। वहीं, कई पुलिस पदाधिकारी ऐसे भी हैं, जो काफी समय से पोस्टिंग के इंतजार में थे, उन सभी को पोस्टिंग दी गई है।

धनबाद में 43 कर्मियों का तबादला, संविदाकर्मियों को वित्तीय कार्य से दूर रखने की हिदायत

धनबाद, एजेंसी। जिला प्रशासन ने बड़े स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 43 कर्मियों का विभिन्न विभागों में स्थानांतरण कर दिया है। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। स्थानांतरित कर्मियों में 34 निम्न वर्गीय लिपिक, पांच प्रधान लिपिक, तीन उच्च वर्गीय लिपिक और एक कार्यालय अधीक्षक शामिल हैं। उपायुक्त ने बताया कि झारखंड सरकार के मुख्य सचिव के निर्देश और प्रशासनिक आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए ऐसे कर्मचारियों का तबादला किया गया है, जो तीन वर्ष से अधिक समय से एक ही कार्यालय में कार्यरत थे। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया है कि जिन लिपिकों और प्रधान लिपिकों के पास विपत्र (बिल) संबंधी कार्यभार है और जिनका कार्यकाल तीन वर्ष से अधिक हो चुका है, वे तत्काल यह जिम्मेदारी अन्य कर्मचारियों को सौंप दें। साथ ही यह भी कहा गया है कि संविदा अथवा मानदेय पर कार्यरत कंप्यूटर ऑपरेटरों को किसी भी स्थिति में वित्तीय कार्य नहीं सौंपा जाए। उपायुक्त ने सभी निकासी एवं व्ययन पदाधिकारियों (डीडीओ) को भी चेतावनी दी है कि वे अपना डिजिटल सिग्नेचर और ओटीपी किसी के साथ साझा न करें। जारी आदेश के अनुसार, संबंधित विभागाध्यक्षों को 25 मई 2026 तक स्थानांतरित कर्मियों को कार्यमुक्त करना होगा। ऐसा नहीं किया गया तो 26 मई से उन्हें स्वत: कार्यमुक्त माना जाएगा। सभी कर्मियों को 26 मई को अपने नए कार्यालय में योगदान देना अनिवार्य होगा। मई माह का वेतन भी नए पदस्थापन कार्यालय से ही निर्गत किया जाएगा। इस फेरबदल के तहत जिला राजस्व शाखा, पंचायत कार्यालय, अनुमंडल कार्यालय, भूमि सुधार कार्यालय, जिला आपूर्ति शाखा, गोपनीय शाखा, जिला अभिलेखागार सहित विभिन्न शाखाओं और धनबाद जिले के कई प्रखंड एवं अंचल कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

पुल के नीचे मिली लापता छात्रा की लाश, हत्या की आशंका

गिरिडीह, एजेंसी। दो दिनों से लापता एक छात्रा की लाश मुफ्फसिल थाना इलाके के बरगंडा पुराना पुल के पास उसरी नदी पर मिली है। मृतका की पहचान पायल कुमारी (पिता जागेश्वर दास) के रूप में हुई है। वह 11वीं की छात्रा थी और सिलाई का प्रशिक्षण लेने के साथ साथ बच्चों को ट्यूशन पढ़ाने का भी काम करती थी। पुल के नीचे छात्रा की लाश की जानकारी मिलते ही लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। पहचान के बाद लड़की के घरवालों को सूचित किया गया। वहीं, पुलिस भी मौके पर पहुंच गई है। मृतका मुफ्फसिल थाना इलाके के वार्ड नंबर 12 (सिरसिया) की रहने वाली थी। घटना को लेकर मृतका का चचेरे भाई पिंटू कुमार दास ने बताया कि उसकी बहन पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों को पढ़ाती भी थी। हर रोज वह सुबह निकलती थी और दोपहर 2 बजे तक घर वापस आ जाती थी। सोमवार (18 मई) की सुबह ट्यूशन बोलकर घर से निकली। चूंकि ट्यूशन (कम्प्यूटर क्लास) करने के साथ-साथ पटेल नगर में बच्चों को पढ़ाने का काम भी करती थी, जिसके बाद वह लगभग दोपहर दो बजे तक घर लौट आती थी। लेकिन सोमवार को दो बजे तक नहीं लौटी तो मम्मी ने पायल को फोन करके पूछी। जिस पर पायल ने कहा कि ब्लॉक में सिलाई करने के बाद वह निकल रही है। 10 मिनट में घर आ जाएगी। 10 मिनट में नहीं लौटी तो दोपहर तीन बजे फिर से फोन लगाया गया लेकिन इस बार मोबाइल बंद मिला। ऐसे में अपने स्तर से खोजबीन शुरू की गई लेकिन कुछ भी पता नहीं चला। फिर देर शाम को पुलिस को सूचित किया गया। पुलिस ने भी खोजबीन की। पायल के मोबाइल डिटेल को निकाला गया। पायल की सहेलियों से भी जानकारी ली गई लेकिन कुछ भी पता नहीं चला। इस बीच बुधवार की सुबह उसकी लाश पुल के नीचे मिली। पिंटू कहता है कि घटना की जांच हो और जो भी दोषी है उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई भी। इधर, घटना की जानकारी मिलते ही सदर एसडीपीओ जीतबाहन उरांव के साथ अवर निरीक्षक विवेक माधुरी पहुंचे। घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद एसडीपीओ ने कहा कि छात्रा लापता थी। उसकी लाश मिली है। पूरे मामले की जांच चल रही है।

आरटीई के तहत रांची में 641 बच्चों का चयन

वर्ष 2026-27 सत्र के लिए निजी विद्यालयों में ऑनलाइन लॉटरी प्रक्रिया संपन्न

रांची, एजेंसी। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्ग के बच्चों को निजी विद्यालयों में निःशुल्क शिक्षा दिलाने की दिशा में रांची जिला प्रशासन ने बड़ी पहल की है।

वर्ष 2026-27 सत्र के लिए निजी विद्यालयों में 25 प्रतिशत आरक्षित सीटों पर नामांकन के लिए ऑनलाइन लॉटरी प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न कर ली गई। इस प्रक्रिया के माध्यम से जिले के 89 निजी विद्यालयों में कुल 641 बच्चों का चयन किया गया।

यह पूरी प्रक्रिया रांची उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री के निर्देशानुसार पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ आयोजित की गई। ऑनलाइन लॉटरी का आयोजन अनुमंडल पदाधिकारी, रांची की अध्यक्षता में किया गया। चयन प्रक्रिया के दौरान पांच निजी विद्यालयों के प्राचार्य, पांच अभिभावक और मीडिया प्रतिनिधि भी मौजूद रहे, ताकि प्रक्रिया की पारदर्शिता और विश्वसनीयता बनी रहे।

निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 की धारा 12(1)(ब) के तहत मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों की प्रवेश कक्षा में 25 प्रतिशत सीटें अभिवंचित समूह और कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए आरक्षित की जाती हैं। इसी प्रावधान के तहत इस वर्ष नामांकन प्रक्रिया संचालित की गई।

जिला प्रशासन के अनुसार वर्ष 2026-27 के लिए आरटीई के तहत कुल 1499 आवेदन प्राप्त हुए थे। आवेदनों की जांच और सत्यापन के बाद 1036 आवेदनों को लॉटरी प्रक्रिया के लिए योग्य पाया गया। जिले के 117 मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों में उपलब्ध 1158 सीटों पर नामांकन के लिए चयन प्रक्रिया चलाई गई।

ऑनलाइन लॉटरी के जरिए चयनित 641 बच्चे अब संबंधित निजी विद्यालयों में बिना किसी शुल्क के नामांकन प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही उन्हें कक्षा आठवीं तक पूरी तरह निःशुल्क शिक्षा दी जाएगी। जिला प्रशासन का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर उपलब्ध कराना है, ताकि वे बेहतर भविष्य की ओर आगे बढ़ सकें।

प्रशासन ने यह भी सुनिश्चित किया कि पूरी प्रक्रिया तकनीकी रूप से सुरक्षित और निष्पक्ष तरीके से संपन्न हो। चयन प्रक्रिया के दौरान जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, सहायक जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी समेत शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मी मौजूद रहे।

जिला प्रशासन ने कहा कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम का प्रभावी क्रियान्वयन सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। प्रशासन समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े बच्चों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने के लिए लगातार प्रयासरत है। अधिकारियों का मानना है कि इस तरह की पहल से कमजोर वर्ग के बच्चों को बेहतर शैक्षणिक माहौल मिलेगा और शिक्षा के क्षेत्र में सामाजिक समानता को भी मजबूती मिलेगी।

पलामू की दुकानों में लगेगा अलार्म सिस्टम

पलामू, एजेंसी। जिला की दुकानों में अलार्म सिस्टम को लगाया जाएगा। अलार्म सिस्टम से आपदा की जानकारी नजदीक के थाना को रियल टाइम में मिलेगी। इसकी शुरुआत सबसे पहले मेदिनीनगर से की जाएगी बाद में अन्य शहरों में भी इसे लागू किया जाएगा। ज्वेलरी शॉप, बड़े कारोबारी के यहां अलार्म सिस्टम लगाने पर विशेष जोर दिया जाएगा। जबकि दुकानों में काम करने वाले सभी कर्मियों का पुलिस वेरिफिकेशन भी करवाया जाएगा। मंगलवार को पलामू पुलिस ने कारोबारी के साथ संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पलामू के एसपी कपिल चौधरी ने की। इस संवाद कार्यक्रम में पलामू चैंबर और व्यावसायिक संघ ने कई मांगों को पलामू एसपी के समक्ष रखा।इस दौरान पलामू पुलिस अधिकारियों ने कारोबारी के समस्याओं को भी सुना है और उनके सुझाव को आमंत्रित किया है। कारोबारी ने अपने-अपने प्रतिष्ठानों में सीसीटीवी को इंस्टॉल करने की सहमति दी।

मंईयां सम्मान योजना के सत्यापन के लिए उमड़ी भीड़,

अंचल कार्यालय में महिलाओं की लंबी कतार

धनबाद, एजेंसी। झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी मंईयां सम्मान योजना का लाभ पाने और सत्यापन कराने के लिए धनबाद अंचल कार्यालय में सोमवार को महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही कार्यालय परिसर में लंबी कतारें लगी रहीं। बड़ी संख्या में महिलाएं अपने दस्तावेजों के साथ पहुंचीं और योजना से संबंधित आवेदन जमा किए।

मंईयां सम्मान योजना के तहत पात्र महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इन दिनों सरकार की ओर से सभी लाभुकों का सत्यापन अभियान चलाया जा रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि योजना का लाभ केवल योग्य महिलाओं को ही मिले। इसी प्रक्रिया के तहत उन महिलाओं से भी आवेदन लिए जा रहे हैं जिन्हें अब तक योजना का लाभ नहीं मिला है।

अंचल कार्यालय पहुंची महिलाओं ने बताया कि योजना शुरू होने के बाद से वे लगातार इंतजार कर रही हैं, लेकिन उनके बैंक खाते में अब तक राशि नहीं आई है। महिलाओं का कहना है कि उन्हें उम्मीद है कि आवेदन जमा करने और सत्यापन के बाद उन्हें भी इस योजना का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा।

धनबाद के अंचल अधिकारी रामप्रवेश कुमार ने बताया कि सभी लाभुकों के दस्तावेजों की जांच की जा रही है। जिन महिलाओं को किसी कारणवश राशि नहीं मिल रही है, उनसे आवेदन लेकर उनकी पात्रता की समीक्षा की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि जो महिलाएं योजना की निर्धारित शर्तों को पूरा नहीं करती हैं, उनके नाम लाभुकों की सूची से हटाए जाएंगे। फिलहाल, सत्यापन प्रक्रिया के कारण अंचल कार्यालयों में महिलाओं की भारी भीड़ देखी जा रही है और प्रशासन इसे सुव्यवस्थित तरीके से पूरा करने में जुटा है।

पुनदाग रेलवे स्टेशन पर 18 ट्रेनों का होगा अस्थायी ठहराव

आनंद मार्गी धर्म महासम्मेलन को लेकर रांची रेल मंडल का निर्णय

रांची, एजेंसी। आनंदा नगर (पुनदाग) में आयोजित होने वाले आनंद मार्गी धर्म महासम्मेलन को देखते हुए रेलवे ने श्रद्धालुओं और यात्रियों की सुविधा के लिए पुनदाग रेलवे स्टेशन पर 18 ट्रेनों के अस्थायी ठहराव की घोषणा की है। यह व्यवस्था 20 मई 2026 से 27 मई 2026 तक लागू रहेगी।

रांची रेल मंडल की सीनियर डीसीएम श्रेया सिंह ने बताया कि महासम्मेलन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। सभी चयनित ट्रेनों का पुनदाग रेलवे स्टेशन पर एक मिनट का अतिरिक्त ठहराव दिया जाएगा, ताकि यात्रियों को सुविधा मिल सके।

रेलवे द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार धनबाद-रांची एक्सप्रेस, रांची-धनबाद एक्सप्रेस, रांची-भागलपुर एक्सप्रेस, भागलपुर-रांची एक्सप्रेस, सम्बलपुर-गोरखपुर मौर्य एक्सप्रेस, गोरखपुर-सम्बलपुर मौर्य एक्सप्रेस, राउरकेला-जयनगर एक्सप्रेस, जयनगर-राउरकेला एक्सप्रेस, हावड़ा-रांची एक्सप्रेस, रांची-हावड़ा एक्सप्रेस, रांची-गोड्डा एक्सप्रेस, गोड्डा-रांची एक्सप्रेस, पटना-हटिया एक्सप्रेस, हटिया-पटना एक्सप्रेस, रांची-कामाख्या एक्सप्रेस और कामाख्या-रांची एक्सप्रेस समेत कुल 18 ट्रेनों का ठहराव पुनदाग स्टेशन पर किया जाएगा।

इन ट्रेनों में धनबाद-रांची एक्सप्रेस सुबह 07:27 बजे पहुंचेगी और 07:28 बजे रवाना होगी, जबकि रांची-धनबाद एक्सप्रेस शाम 18:49 बजे पहुंचेगी और 18:50 बजे प्रस्थान करेगी। रांची-भागलपुर एक्सप्रेस का ठहराव 20:59 बजे से 21:00 बजे तक रहेगा, जबकि भागलपुर-रांची एक्सप्रेस सुबह 06:22 बजे पहुंचेगी और 06:23 बजे रवाना होगी।

वहीं सम्बलपुर-गोरखपुर मौर्य एक्सप्रेस 19:16 बजे पहुंचेगी और 19:17 बजे रवाना होगी। वहीं गोरखपुर-सम्बलपुर मौर्य एक्सप्रेस का ठहराव 04:30 बजे से 04:31 बजे तक रहेगा। राउरकेला-जयनगर एक्सप्रेस रात 21:54 बजे पहुंचेगी और 21:55 बजे प्रस्थान करेगी, जबकि जयनगर-राउरकेला एक्सप्रेस सुबह 08:02 बजे पहुंचेगी और 08:03 बजे रवाना होगी।

हावड़ा-रांची एक्सप्रेस का ठहराव 20:00 बजे से 20:01 बजे तक और रांची-हावड़ा एक्सप्रेस का ठहराव 07:10 बजे से 07:11 बजे तक रहेगा। वहीं रांची-गोड्डा एक्सप्रेस रात 23:15 बजे पहुंचेगी और 23:16 बजे रवाना होगी, जबकि गोड्डा-रांची एक्सप्रेस का ठहराव 01:45 बजे से 01:46 बजे तक रहेगा।

इसके अलावा पटना-हटिया एक्सप्रेस का ठहराव 02:11 बजे से 02:12 बजे तक तथा हटिया-पटना एक्सप्रेस का ठहराव रात 00:03 बजे से 00:04 बजे तक रहेगा। वहीं रांची-कामाख्या एक्सप्रेस रात 21:54 बजे पहुंचेगी और 21:55 बजे रवाना होगी, जबकि कामाख्या-रांची एक्सप्रेस 12:11 बजे पहुंचेगी और 12:12 बजे प्रस्थान करेगी।

सीनियर डीसीएम श्रेया सिंह ने यात्रियों से अपील की है कि वे यात्रा से पहले ट्रेनों के समय की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें और निर्धारित समय पर स्टेशन पहुंचे।

रांची में जनता दरबार: डीसी ने सुनीं लोगों की समस्याएं

रांची, एजेंसी। जिला समाहरणालय में सोमवार को आयोजित जनता दरबार में उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने विभिन्न जन समस्याओं की सुनवाई की। इस दौरान दिव्यांग पंकज कुमार को राज्य सरकार की ओर से इलेक्ट्रिक ट्राई साइकिल उपलब्ध कराई गयी।

बिरसा चौक निवासी पंकज अपनी मां के साथ जनता दरबार पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया के माध्यम से उन्हें जानकारी मिली थी कि जिला प्रशासन पात्र दिव्यांगों को सहायता उपलब्ध करा रहा है। ट्राई साइकिल मिलने के बाद पंकज और उनके परिजनों ने खुशी जताई।

जनता दरबार में जमीन और राजस्व से जुड़े कई मामलों पर भी सुनवाई हुई। सोनाहातू निवासी प्रकाश कुमार महतो ने नीमडीह मौजा स्थित जमीन के पंजी 2 में सुधार नहीं होने की शिकायत दर्ज कराई।

आवेदक ने बताया कि लंबे समय से कार्यालय का चक्कर लगाने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो रहा है। मामले को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त ने सोनाहातू अंचल अधिकारी को फटकार लगाते हुए जल्द निष्पादन का निर्देश दिया। साथ ही लापरवाही पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी।

शहर अंचल निवासी हरि प्रसाद चक्रवर्ती ने सक्सेशन म्यूटेशन लंबित रहने की शिकायत उपायुक्त के समक्ष रखी। उन्होंने बताया कि एलआरडीसी के आदेश के बावजूद म्यूटेशन नहीं किया गया है। इस पर उपायुक्त ने शहर अंचल अधिकारी से दूरभाष पर बात कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बेड़ो निवासी तेतरु उरांव ने अधिग्रहित भूमि के मुआवजा भुगतान में देरी की शिकायत दर्ज कराई। भू अर्जन कार्यालय की ओर से बताया गया कि मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया जारी है। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया। जनता दरबार में भू माफियाओं द्वारा जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायतें भी सामने आई। उपायुक्त ने राजस्व कार्यालय और सब रजिस्ट्रार कार्यालय को ऐसे मामलों में त्वरित जांच और कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

वहीं बेड़ो निवासी रुपन उरांव ने मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के सत्यापन में गलत रिपोर्टिंग की शिकायत दर्ज कराई। इस पर उपायुक्त ने संबंधित बीडीओ को जांच करने का निर्देश दिया। साथ ही सामाजिक सुरक्षा विभाग को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। उपायुक्त ने पंचायत प्रतिनिधियों से योजना से जुड़ी महिलाओं को स्वरोजगार और आमदनी बढ़ाने के लिए प्रेरित करने की अपील भी की।

धनबाद में फिर भू-धंसान, चपेट में आए तीन घर

धनबाद, एजेंसी। जिला के केंदुआडीह गैस रिसाव और भू-धंसान प्रभावित इलाके में एक बार फिर जमीन धंसने की घटना सामने आई है। केंदुआ गोधर 6 नंबर स्थित हवा चानक के पास अचानक तेज आवाज के साथ बड़ा गोफ बन गया, जिसकी चपेट में तीन घर आ गए। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और प्रभावित परिवारों ने आनन-फानन में घर का सामान बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर रखा।

स्थानीय लोगों के अनुसार, सोमवार को अचानक जोरदार धमाके जैसी आवाज सुनाई दी। जब लोग बाहर निकले तो देखा कि जमीन का एक बड़ा हिस्सा धंस गया है और वहां गहरा गोफ बन गया है। भू-धंसान की वजह से पास के तीन घरों में दरारें पड़ गईं। किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है लेकिन घरों में रहने वाले परिवारों के बीच दहशत का माहौल है।

प्रभावित परिवारों का कहना है कि यह इलाका लंबे समय से गैस रिसाव और भू-धंसान की जद में है। उन्होंने कई बार बीसीसीएल प्रबंधन से सुरक्षित स्थान पर पुनर्वास की मांग की लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। लोगों का आरोप है कि हर बार आश्वासन मिलता है लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है।घटना के बाद स्थानीय प्रशासन को सूचना दी गई। सीओ विकास आनंद ने बताया कि भू-धंसान की जानकारी मिली है और पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट ली जा रही है।

मैट्रिक परीक्षा के खराब परिणाम पर डीसी सख्त, प्राचार्यों और शिक्षकों को लगाई फटकार

धनबाद, एजेंसी। मैट्रिक परीक्षा के खराब परिणाम को लेकर उपायुक्त आदित्य रंजन ने कड़ा रुख अपनाया है। जिले के 12 स्कूलों में 10 प्रतिशत या उससे अधिक छात्र फेल होने पर उपायुक्त ने संबंधित प्राचार्यों और शिक्षकों को जमकर फटकार लगाई। उन्होंने स्पष्ट कहा कि यदि कंपार्टमेंटल परीक्षा में भी छात्र असफल होते हैं, तो जिम्मेदार शिक्षकों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वार्षिक माध्यमिक परीक्षा के निराशाजनक परिणाम को लेकर समाहरणालय में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री उत्कृष्ट कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय निरसा समेत 12 विद्यालयों के प्राचार्य और शिक्षक उपस्थित हुए। उपायुक्त आदित्य रंजन ने कहा कि सरकार का उद्देश्य आर्थिक और सामाजिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देकर उनका भविष्य संवारना है।

ऐसे में शिक्षकों और प्राचार्यों की जिम्मेदारी केवल पढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि हर बच्चे की सफलता सुनिश्चित करना उनकी नैतिक जवाबदेही है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन ने स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए संसाधनों और सुविधाओं की कोई कमी नहीं रहने दी। इसके बावजूद परीक्षा परिणाम संतोषजनक नहीं आना गंभीर चिंता का विषय है और यह शिक्षकों की कार्यशैली पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है।

उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जो छात्र फेल हुए हैं या कमजोर प्रदर्शन किया है, उन्हें चिन्हित कर विशेष कक्षाएं चलाते हुए कंपार्टमेंटल परीक्षा की तैयारी कराई जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इसके बाद भी छात्र असफल रहते हैं, तो संबंधित शिक्षक सीधे तौर पर जिम्मेदार माने जाएंगे।

दफनाया गया 'मुर्दा' लौटा घर, खूंटी में सनसनी, पुलिस परेशान

इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है, जबकि पुलिस और प्रशासन भी असली मृतक की पहचान को लेकर उलझन में पड़ गए हैं।

रांची, एजेंसी। झारखंड के खूंटी जिले से एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक व्यक्ति को मृत मानकर परिजनों ने पूरे रीति-रिवाज के साथ दफना दिया, लेकिन कुछ दिनों बाद वही शख्स अचानक जिंदा घर लौट आया। इस घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है, जबकि पुलिस और प्रशासन भी असली मृतक की पहचान को लेकर उलझन में पड़ गए हैं।

मामला जिले के मारंगहादा थाना क्षेत्र स्थित पतरा टोली गांव का है। जानकारी के अनुसार, गांव निवासी विश्राम मुंडा 10 मई को डडगामा गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। इसके बाद वे अचानक लापता हो गए। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन उनका कोई सुराग नहीं मिला।

इसी बीच 11 मई को खूंटी थाना क्षेत्र में एक नाली से पुलिस ने एक अज्ञात शव बरामद किया। शव की पहचान कराने के दौरान विश्राम मुंडा के परिजन पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे और शव को विश्राम मुंडा का बताकर पहचान कर ली। बताया जा रहा है कि शव की कद-काठी और चेहरा विश्राम मुंडा से काफी मिलता-जुलता था। ऐसे में परिजनों और ग्रामीणों को किसी तरह का संदेह नहीं हुआ। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। इसके बाद गांव में सामाजिक परंपराओं के अनुसार अंतिम संस्कार कर शव को दफना दिया गया।

लेकिन कहानी में उस वक्त बड़ा मोड़ आ गया, जब दफनाने के कुछ दिन बाद विश्राम मुंडा अचानक खूंटी स्थित अपनी बेटी के किराए के घर पहुंच गए। उन्हें जिंदा देखकर परिवार के लोग हैरान रह गए। देखते ही देखते यह खबर पूरे इलाके में फैल गई और गांव में चर्चा का विषय बन गई।

विश्राम मुंडा ने परिजनों को बताया कि वे बिना किसी को सूचना दिए रामगढ़ चले गए थे। वहीं इस पूरे मामले को लेकर गांव में ग्रामसभा की बैठक भी बुलाई गई। पंचायत मुखिया प्रेम टूटी ने इस भूल के लिए ग्रामीणों की ओर से माफी मांगी।

उधर, पुलिस अब उस अज्ञात शव की वास्तविक पहचान करने में जुट गई है, जिसका अंतिम संस्कार विश्राम मुंडा समझकर कर दिया गया था। डीएसपी वरुण रजक ने बताया कि मामले में दोबारा कानूनी प्रक्रिया शुरू की जा रही है। पुलिस डीएनए जांच और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मृतक की असली पहचान सुनिश्चित करने की कोशिश करेगी, ताकि उसके वास्तविक परिजनों तक सूचना पहुंचाई जा सके।

संक्षिप्त समाचार

गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजनाः अब तक 6 हजार 83 आवेदन में सिर्फ 2 हजार 647 हुए स्वीकृत, छात्रों की बढ़ी बेचैनी

रांची, एजेंसी। मैट्रिक-इंटर का रिजल्ट आने के बाद उच्च शिक्षा के लिए दाखिला प्रक्रिया शुरू होते ही छात्र-छात्राओं की चिंता बढ़ गई है। इंजीनियरिंग, मेडिकल, लॉ समेत विभिन्न कोर्सेस में एडमिशन लेने वाले विद्यार्थी आर्थिक बोझ से परेशान हैं। इस समस्या को दूर करने के लिए झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी गुरुजी क्रेडिट कार्ड योजना पर छात्रों की उम्मीदें टिकी हैं, लेकिन बैंकों की उदासीनता के कारण योजना धीमी गति से आगे बढ़ रही है। हेमंत सोरेन सरकार द्वारा शुरू की गई इस योजना के तहत राज्य के 10वीं और 12वीं पास विद्यार्थियों को उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के लिए 15 लाख रुपये तक का ऋण रियायती ब्याज दर पर उपलब्ध कराया जाता है। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा संचालित इस स्कीम का मकसद आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को बिना किसी परेशानी के अच्छे कॉलेजों में दाखिला दिलाना है।विभागीय आंकड़ों के अनुसार, योजना शुरू होने के बाद अब तक 6083 आवेदन बैंकों को प्राप्त हुए हैं। इनमें से मात्र 2647 आवेदन स्वीकृत हुए, जबकि 1955 विद्यार्थियों को ही वास्तव में ऋण राशि स्वीकृत हुई है।

सरायकेला-खरसावां: कुचाई के आश्रम आवासीय विद्यालय में पुलिस ने चलाया जागरूकता अभियान

सरायकेला-खरसावां, एजेंसी। झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले के कुचाई स्थित आश्रम आवासीय विद्यालय में पुलिस प्रशासन की ओर से जागरुकता अभियान चलाया गया। मौके पर थाना प्रभारी नरसिंह मुंडा ने स्टूडेंट के साथ साथ शिक्षकों को कानूनी तौर से जागरुक करते हुए अलग-अलग कानूनों की जानकारी दी। इस दौरान महिला अपराध से संबंधित कानूनी प्रावधानों, पॉक्सो एक्ट, बाल विवाह निषेध, महिला सुरक्षा, नशा मुक्ति, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर-1098, डायल-112, साइबर फ्रॉड टोल फ्री नंबर-1930, बच्चा चोरी संबंधी अफवाहों से बचाव, महिलाओं के अधिकार और उनके संरक्षण के लिए बनाए गए कानूनों की जानकारी दी गई। इसके साथ ही महिलाओं के लिए बने कानूनी प्रावधानों और उनके अधिकारों के बारे में विस्तार से बताया गया। थाना प्रभारी नरसिंह मुंडा ने सड़क सुरक्षा एवं गुड सेमेरिटन से संबंधित महत्वपूर्ण प्रावधानों के बारे में भी जागरूक किया। कार्यक्रम में मौजूद छात्रों और शिक्षिकाओं को सतर्क और जागरूक रहने, सोशल मीडिया का सुरक्षित उपयोग करने की अपील की। साथ ही थाना प्रभारी ने कुचाई थाना का मोबाईल नंबर साझा करते हुए किसी भी तरह की आपात स्थिति अथवा संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने के लिए प्रेरित किया। थाना प्रभारी ने स्कूली बच्चों को लक्ष्य निर्धारित कर पढ़ाई कर बच्चों से आगे जा कर जिम्मेदार नागरिक बनने की भी अपील की। इस दौरान स्कूल के सभी शिक्षक मौजूद रहे।

22 मई से 29वीं राष्ट्रीय सीनियर एथलेटिक्स फेडरेशन प्रतियोगिता का आयोजन,

रांची, एजेंसी। झारखंड की राजधानी रांची में 22 मई से 25 मई तक 29वीं राष्ट्रीय सीनियर एथलेटिक्स फेडरेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। भारतीय एथलेटिक्स संघ के निर्देशानुसार झारखंड एथलेटिक्स संघ एवं खेल विभाग, झारखंड सरकार के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में देशभर से लगभग 700 खिलाड़ी और 150 तकनीकी पदाधिकारी भाग लेंगे। झारखंड एथलेटिक्स संघ के सचिव एसके पांडे ने जानकारी दी कि इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में ओलंपियन और एशियाई पदक विजेता खिलाड़ी भी अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि यह आयोजन राज्य के लिए गौरव का विषय है और इससे झारखंड को राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर नई पहचान मिलेगी। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता खिलाड़ियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि इसी प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर कॉमनवेल्थ गेम्स 2026, ग्लासगो और एशियन अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026, जापान के लिए भारतीय टीम का चयन किया जाएगा। एसके पांडे ने कहा कि रांची में इस स्तर की राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन झारखंड में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम साबित होगा। इससे स्थानीय खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर के एथलीटों के साथ प्रतिस्पर्धा देखने और उनसे सीखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। खिलाड़ियों के ठहरने, सुरक्षा, परिवहन और अन्य सुविधाओं को लेकर विशेष व्यवस्था की गई है। आयोजन समिति की ओर से बताया गया कि प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए तकनीकी अधिकारियों की टीम लगातार तैयारी में जुटी हुई है। खेल विभाग और झारखंड एथलेटिक्स संघ संयुक्त रूप से आयोजन की हर व्यवस्था की निगरानी कर रहे हैं। रांची में होने वाली इस प्रतियोगिता को लेकर खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में उत्साह का माहौल है। खेल विभाग को उम्मीद है कि यह आयोजन झारखंड में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा।

एसआईआर को लेकर जेएमएम ने चुनाव आयोग को चेताया,

कहा- झारखंड, असम या बंगाल नहीं है

रांची, एजेंसी। झारखंड में होने वाले मतदाता विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर सियासत जारी है। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने इस बहाने चुनाव आयोग और भाजपा पर निशाना साधा है।

मंगलवार को पार्टी महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने मीडियाकर्मियों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने एसआईआर को लेकर कहा कि एक खाका बना लिया गया है, जो भाजपा को वोट नहीं करेगा स्पष्टतः उसका डिलीशन हो जाएगा। अगर उसपर कोई प्रमाण आयेगा तो उसे लटका दिया जाएगा।

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि 2014 के बाद से हम लोगों ने सरकार के कई रूप देखें हैं। सरकार की चोरी होते हुए देखा, सरकार का डकैती होते हुए देखा लेकिन अब वोटर की चोरी और वोटर की डकैती होते हुए भी लोगों ने बंगाल में देखा। पश्चिम बंगाल में जिस दिन चुनाव परिणाम आ रहे थे, उसी वक्त हमने कह दिया था कि वहां पर जो चुनाव हुए हैं, वह अवैध है और असंवैधानिक हैं और लूटा हुआ बहुमत है। जो कहीं ना कहीं इस दिशा में माननीय उच्चतम न्यायालय ने यह इशारा कर दिया है।

उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत और उनके साथ वरिष्ठ न्यायमूर्ति राठी ने जिन बातों की टिप्पणी की, वह साफ दर्शाता है कि बंगाल में चुनाव नहीं हुए हैं। बंगाल में सेना और अर्द्धसैनिक बलों के द्वारा लोकतंत्र को लूट लिया गया। जहां से डिलीशियस 10 हजार या 12 हजार हुआ, वहां का जो चुनाव परिणाम है, वह टीएमसी के हार का मार्जिन कहीं 500 तो कहीं 5000 है। क्योंकि वैसे विधानसभा सीट में डिलीशन ज्यादा हो गया।

जेएमएम महासचिव ने कहा कि बंगाल में 90 लाख वोटर्स डिलीशन हो गया, 29 लाख अभी भी जिनका वोटर सर्टिफिकेशन नहीं हुआ, उनके मामले लंबित हैं और उसके लिए जो प्राधिकरण गठित किए गए थे, उसके जो मुख्य न्यायाधीश थे, वह कल रिजाइन कर दिए। सुप्रियो ने कहा कि एक तरफ चुनाव आयोग का नारा है कि एक भी वोटर छूटे नहीं, वहां पर 90 लाख और 29 लाख लगभग सवा करोड़ से भी ज्यादा वोटर का लूट हुई।

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा है कि उन्हें लगता है कि झारखंड में भी बंगाल की तरह बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम काटे जाएंगे। क्योंकि झारखंड में भाजपा हताश और निराश है और इसके लिए पूरी तैयारी की जा रही है। जिस प्रकार से अनर्गल चीजें सामने आ रही हैं, वह बताता है कि भाजपा के जो मेंटर्स हैं, वह आश्वस्त कर दिया है कि यहां पर भी बहुत भारी मशीन गन, ब्रह्मोस और राफेल उतरेगा और उसके बाद चुनाव होगा।

वे लोग केवल एसआईआर के लिए चिंतित नहीं हैं, एसआईआर के साथ-साथ जो असम में परिसीमन किया गया, उसी तरह वह यहां पर भी ढांचा बनाया जा रहा है। सीटें तो नहीं बदलेगी, संख्या तो नहीं बदलेगी। लेकिन अपने अनुरूप निर्वाचन क्षेत्र को कैसे बनाया जाए, इसको लेकर भी एक ड्राइंग बन रहा है। यह दो अशुभ संकेत हमारे राज्य के लिए आ रहा है। उन्होंने कहा कि बीएलओ और माइक्रो आब्जर्वर जो एसआईआर में लगे हुए हैं। उन्हें सचेत करना चाहता हूं कि झारखंड में बंगाल जैसी गलती ना करें।

उन्होंने कहा कि वे चुनाव आयोग को भी सचेत करना चाहता है कि यह ना असम है और ना ही बंगाल है। यह पॉलिटिकल कॉलोनियल से निकला हुआ स्टेट है। राजनीतिक औपनिवेशवाद से संघर्ष कर निकला हुआ यह राज्य है। जिस राज्य का निजाम भी अलग है और इस राज्य का मिजाज भी अलग है। इसको सामने में रखते हुए चुनाव आयोग अपनी कार्य योजना तय करें।

खूंटी से 50 महिलाएं पहुंचीं हजारीबाग, जाना खेती का रहस्य, अफीम की खेतों पर अब उगेगी हरी सब्जी

हजारीबाग, एजेंसी। खूंटी एक ऐसा जिला जो एक समय घोर नक्सल प्रभावित क्षेत्र था। सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में अफीम की खेती होती थी। अब यहां के किसान मुख्य धारा में जुड़ रहे हैं। खूंटी के सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्र से 50 महिलाओं का समूह जो मुख्य रूप से आदिवासी समुदाय से है, हजारीबाग के सुदूरवर्ती कटकमसांडी प्रखंड के गोसी गांव पहुंचा। वहां महिलाएं कैसे खेती कर रही हैं, इसकी जानकारी प्राप्त की।

गोसी गांव की महिलाएं सिर्फ खेती ही नहीं बल्कि बकरी पालन, मुर्गी पालन से लेकर के अन्य तरह के रोजगार कर रही हैं। जिससे उनका जीवन स्तर ऊंचा हो रहा है। वो आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं। खूंटी से आई महिलाओं ने कहा कि यह ट्रिप बेहद लाभदायक है। खेती करने के कई तरीकों की जानकारी प्राप्त की है। अब उन तरीकों की जानकारी अपने गांव घर में जाकर अन्य लोगों को देंगे और खेती करेंगे।

जिस गांव में महिलाएं पहुंची थी वहां के स्थानीय भी बताते हैं कि दूसरे जिले से जब किसान पहुंचते हैं, इसका दोहरा लाभ होता है। अपने सभ्यता संस्कृति के बारे में लोग एक दूसरे को जानकारी देते हैं। वहीं दूसरी ओर कैसे जीवन यापन कर रहे हैं, इसकी भी जानकारी मिलती है। यह एक बहुत ही अच्छा प्रयास है।

खूंटी से हजारीबाग पहुंची इन महिलाओं के समूह को एक लीड्स संस्था की ओर से मदद मिली है। संस्था के द्वारा महिलाओं को बताया जा रहा है कि वो आर्थिक रूप से कैसे संपन्न हो सकती हैं। यही वजह है कि महिलाओं का समूह हजारीबाग पहुंचकर खेती से कैसे जोड़ा जाए, इसके बारी में जानकारी ली। ताकि वे अपने इलाके में जाकर उस तरह की खेती कर जीवन यापन कर पाए।

सरकारी स्कूलों में समर कैंप की शुरुआत, खेल और रचनात्मक गतिविधियों में बच्चों ने दिखाया उत्साह

रांची, एजेंसी। झारखंड के सरकारी विद्यालयों में मंगलवार से तीन दिवसीय समर कैंप 2026 की शुरुआत हो गई। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, रांची के तत्वावधान में आयोजित इस कैंप के पहले दिन राज्यभर के स्कूलों में बच्चों का उत्साह देखने लायक रहा। गांव से लेकर शहर तक और कक्षा 1 से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं ने विभिन्न गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया। स्कूल परिसर बच्चों की ऊर्जा, रचनात्मकता और उत्साह से जीवंत नजर आए।

इस वर्ष समर कैंप की थीम 'सीखें, खेलें, सृजन करें' रखी गई है। पहले दिन 'खेल के साथ फिटनेस एवं सृजन के संग बचपन' विषय पर कई गतिविधियों का आयोजन किया गया। स्कूलों में योगाभ्यास, फिटनेस एक्सरसाइज, दौड़, रस्सीकूद, पारंपरिक खेल और समूह आधारित मनोरंजक गतिविधियां कराई गईं। बच्चों ने पूरे जोश और उत्साह के साथ इन गतिविधियों में भाग लिया और अपनी खेल भावना का परिचय दिया।

कई विद्यालयों में विद्यार्थियों ने स्थानीय संस्कृति और पारंपरिक कलाओं से जुड़े मॉडल, खिलौने और हस्तनिर्मित कलाकृतियां भी तैयार कीं। चित्रकला, हस्तशिल्प और अन्य सृजनात्मक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों ने अपनी कल्पनाशीलता और रचनात्मक क्षमता को अभिव्यक्त किया। स्कूलों में बच्चों की भागीदारी ने माहौल को पूरी तरह उत्सव जैसा बना दिया।

समर कैंप के दौरान शिक्षकों ने विद्यार्थियों को स्वास्थ्य, अनुशासन, टीम भावना और सक्रिय जीवनशैली के महत्व के बारे में भी जानकारी दी। बच्चों को खेल और रचनात्मक गतिविधियों के जरिए मानसिक और शारीरिक रूप से सक्रिय रहने के लिए प्रेरित किया गया। गर्मी के मौसम को देखते हुए स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी सावधानियों का भी विशेष ध्यान रखा गया। पेयजल, छायादार स्थान और प्राथमिक उपचार जैसी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं।

झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के शारीरिक शिक्षा एवं खेल प्रभाग के प्रभारी धीरसेन ए। सोरेंग ने बताया कि नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप बच्चों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए इस समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में बच्चों का शारीरिक, मानसिक और रचनात्मक विकास शामिल है। इसी उद्देश्य से राज्यस्तरीय समर कैंप 21 मई तक संचालित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि राज्य के सरकारी विद्यालयों के लाखों विद्यार्थी इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। समर कैंप के माध्यम से बच्चों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता, रचनात्मक सोच, सांस्कृतिक चेतना और खेल भावना के विकास को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है।

शिक्षा विभाग का मानना है कि इस तरह के कार्यक्रम बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ रचनात्मक और सामाजिक गतिविधियों से जोड़ने में मदद करते हैं। समर कैंप के पहले दिन की सफलता को देखते हुए आने वाले दिनों में भी विभिन्न रोचक और ज्ञानवर्धक गतिविधियों के आयोजन की तैयारी की गई है।

सीओ द्वारा केस दर्ज करने के बाद दो गुटों में बंटी धनबाद कांग्रेस,

एक-दूसरे पर पार्टी को कमजोर करने आरोप

धनबाद, एजेंसी। जिला कांग्रेस की अंदरूनी कलह अब खुलकर सामने आ गई है। एक ओर जहां कुछ नेताओं ने अंचल अधिकारी के समर्थन में बैठक कर जिला अध्यक्ष संतोष सिंह के खिलाफ मोर्चा खोला। वहीं दूसरी ओर जिला अध्यक्ष के समर्थक नेताओं ने विरोधी गुट पर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाया है। समर्थकों ने ऐसे नेताओं के खिलाफ संगठनात्मक और कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

हाल ही में अंचल अधिकारी द्वारा कांग्रेस जिला अध्यक्ष संतोष सिंह के समर्थकों पर सरकारी कार्य में बाधा पहुंचाने का मामला दर्ज कराया गया था। इस कार्रवाई के विरोध में संतोष सिंह और उनके समर्थकों ने सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया था। इसके बाद कांग्रेस के भीतर मतभेद और गहरा गया। एक गुट जहां अंचल अधिकारी के पक्ष में खड़ा दिख रहा है, वहीं दूसरा गुट जिला अध्यक्ष के समर्थन में लामबंद हो गया है।

जिला उपाध्यक्ष दिनेश यादव ने कहा कि कुछ तथाकथित कांग्रेस नेताओं ने ही उनका नाम और पता अंचल अधिकारी को उपलब्ध कराया, जिसके आधार पर उनके खिलाफ केस दर्ज किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि यही लोग जिला अध्यक्ष को काम नहीं करने देना चाहते हैं और पार्टी में 'विभीषण' की भूमिका निभा रहे हैं। उनके मुताबिक ऐसे नेताओं की वजह से कांग्रेस लगातार चुनाव हार रही है।

वरीय जिला उपाध्यक्ष मो। कयूम ने जिला अध्यक्ष संतोष सिंह पर लगाए गए सभी आरोपों को निराधार बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को मजबूत होते देख कुछ नेता परेशान हैं और जानबूझकर संगठन को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने प्रदेश नेतृत्व से मांग की कि अंचल अधिकारी के समर्थन में बैठक करने वाले नेताओं को पार्टी से निष्कासित किया जाए।

जिला उपाध्यक्ष लक्ष्मण तिवारी ने कहा कि पार्टी में महत्व नहीं मिलने से नाराज कुछ नेता अब संगठन के खिलाफ सक्रिय हो गए हैं। उन्होंने कहा कि जिला अध्यक्ष के खिलाफ चलाया जा रहा अभियान पूरी तरह से सुनियोजित है और इसका उद्देश्य कांग्रेस को कमजोर करना है।

कुल मिलाकर धनबाद कांग्रेस इस समय दो स्पष्ट गुटों में बंटी नजर आ रही है। एक गुट जिला अध्यक्ष संतोष सिंह के समर्थन में है, जबकि दूसरा उनके विरोध में मोर्चा खोले हुए है। अब सबकी नजर प्रदेश नेतृत्व पर टिकी है कि वह इस बढ़ती गुटबाजी पर क्या कदम उठाता है।

जामताड़ा पुलिस का साइबर क्राइम पर प्रहार, अपराधियों को सिम दिलाने वाला भी शिकंजे में

जामताड़ा, एजेंसी। साइबर अपराधियों को सिम दिलाने वाले समेत पांच आरोपियों को साइबर थाना की पुलिस ने पकड़ा है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच मोबाइल, 6 सिम कार्ड, तीन एटीएम कार्ड, एक पैन कार्ड, एक आधार कार्ड और एक मोटरसाइकिल बरामद किया है।

मंगलवार को साइबर थाना की पुलिस ने कर्माटांड़ थाना क्षेत्र के रतनोडीह गांव पहाड़िया टोला में छापामारी अभियान चलाया। जहां साइबर अपराध करते चार आरोपियों को रंगेहाथों पकड़ा गया जबकि एक अन्य घटनाक्रम में साइबर अपराधियों को फर्जी सिमकार्ड उपलब्ध कराने वाले को कालाझरिया पेट्रोल पंप के पास से पकड़ा गया। जिसका नाम मुजाहिद अंसारी बताया गया है। इनके पास से पुलिस ने पांच मोबाइल 6 सिम कार्ड तीन एटीएम कार्ड एक पैन कार्ड एक आधार कार्ड और एक मोटरसाइकिल बरामद किया है।

साइबर ठग क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड के खाताधारकों का नंबर गूगल से निकाल लेते थे। खाता धारकों को कार्ड बंद होने की बात कहकर उनके मोबाइल में स्क्रीन शेयरिंग कर कार्ड का डिटेल ले लेते थे। इसके बाद ओटीपी नंबर लेकर साइबर ठगी को अंजाम देते थे। पकड़ा गया आरोपी मुजाहिद अंसारी साइबर आरोपियों को फर्जी सिम उपलब्ध कराता था। पुलिस को सूचना और जानकारी मिलने पर काला झरिया के पास से उसे पकड़ लिया गया है।

जामताड़ा एसपी शंभू कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि सूचना मिली थी कि जिसके आधार पर टीम गठित कर्माटांड़ थाना क्षेत्र के रतनोडीह में गांव छापामारी साइबर के अड्डे पर किया गया।

चाईबासा में डायन-बिसाही के शक में बुजुर्ग महिला की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

चाईबासा, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम जिले के सोनुवा थाना अंतर्गत बोयकेड़ा पंचायत के बुंडूकोचा वनग्राम में अंधविश्वास की एक वारदात सामने आई है। यहां डायन-बिसाही के शक में 55 वर्षीय एक बुजुर्ग महिला की गला रेतकर हत्या कर दी गई। साक्ष्य छिपाने की नीयत से आरोपियों ने शव को गांव से करीब 200 मीटर दूर एक गहरी खाई में फेंक दिया। मृतका की पहचान बाईबेड़ा गांव निवासी चांदू पुर्ती (पति स्व। विनोद पुर्ती) के रूप में हुई। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि तीन अन्य फरार आरोपियों की तलाश में पुलिस टीम लगातार छापेमारी कर रही है। यह घटना रविवार शाम की है।

मिली जानकारी के अनुसार घटना के बाद से ही महिला लापता थी। मंगलवार को जब बुंडूकोचा वनग्राम के समीप घने जंगल से तेज दुर्गंध आने लगी, तब ग्रामीणों को शक हुआ। इसके बाद लोगों ने तुरंत इसकी सूचना सोनुवा थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही सोनुवा थाना प्रभारी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और काफी मशक्कत के बाद जंगल की खाई से बुजुर्ग महिला का खून से लथपथ शव बरामद किया।

सोनुवा पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घटना में शामिल पनसुआं गांव निवासी 26 वर्षीय प्रेमजीत बानरा को दबोच लिया। पूछताछ के दौरान उसने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी काफी समय से गंभीर रूप से बीमार चल रही थी। कई प्रयासों के बाद भी जब उसकी सेहत में सुधार नहीं हुआ, तो उसे चांदू पुर्ती पर डायन होने का शक हुआ।

आदित्यपुर उप स्वास्थ्य केंद्र बदहाल,

गंभीर रूप से बीमार मरीज रेफर होने को मजबूर

सरायकेला, एजेंसी। सरायकेला-खरसावां जिले के सबसे बड़े औद्योगिक क्षेत्र आदित्यपुर का शहरी उप-प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र इन दिनों खुद 'बीमार' चल रहा है। लगभग 3।5 लाख की विशाल आबादी को स्वास्थ्य सेवाएं देने वाला यह केंद्र संसाधनों और चिकित्सकों की घोर कमी से जूझ रहा है। अव्यवस्था का आलम यह है कि अस्पताल में मरीजों की संख्या लगातार घट रही है और यह सिर्फ सर्दी-खांसी व बुखार के इलाज तक सिमट कर रह गया है।

स्वास्थ्य विभाग के दावों के बीच इस केंद्र पर गर्भवती महिलाओं के लिए केवल नॉर्मल डिलीवरी की सुविधा उपलब्ध है। सिजेरियन (ऑपरेशन) केस के लिए विभाग ने जमशेदपुर स्थित सत्य साईं अस्पताल (निजी संस्थान) से टाइअप किया है, जहां मरीजों को भेजा जाता है। हैरानी की बात यह है कि लाखों की आबादी वाले इस क्षेत्र के सरकारी अस्पताल में सांप काटने की दवा (एंटी-वेनम) और कुत्ते के काटने पर लगने वाला (एंटी-रेबीज) इंजेक्शन तक उपलब्ध नहीं है। अस्पताल की मेडिकल ऑफिसर डॉ। लक्ष्मी ने बताया 'गम्हरिया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में सभी प्रकार के टीके और एंटी-वेनम उपलब्ध हैं, इसलिए मरीजों को वहां रेफर कर दिया जाता है।'

आदित्यपुर से गम्हरिया की दूरी लगभग 8 किलोमीटर है। आपातकालीन स्थिति में इतनी दूर जाने से मरीजों पर न सिर्फ आर्थिक बोझ पड़ता है, बल्कि उनकी जान पर भी बन आती है।

अस्पताल की बदहाली को लेकर हाल ही में आदित्यपुर नगर निगम के मेयर संजय सरदार ने केंद्र का औचक निरीक्षण किया। सुविधाओं की किल्लत पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने झारखंड सरकार और स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी को आड़े हाथों लिया। विपक्ष ने इस स्थिति को पूरी तरह 'प्रशासनिक विफलता' और 'चिकित्सीय लापरवाही' का नतीजा करार दिया है।

दूसरी ओर, सरकारी महकमा कमियों को ढकने और जल्द सुधार की बात कह रहा है। कोल्हान प्रमंडल के रीजनल डिप्टी डायरेक्टर डॉ। विष्णु प्रसाद साह ने सरायकेला सदर अस्पताल के निरीक्षण के दौरान कहा कि पूरे प्रमंडल में स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि जल्द ही आदित्यपुर समेत सभी उप-प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से लैस कर दिया जाएगा। बहरहाल, दावों और वादों के बीच आदित्यपुर की जनता आज भी बुनियादी स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए तरस रही है।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में जाम छलका रहे थे पुलिसवाले

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार में पूर्ण शराबबंदी कानून लागू है।इसके बाद भी लोग जाम छलकाते नजर आ जाते हैं। इसी बीच मुजफ्फरपुर से एक वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस महकमे में हलचल मच गई है।उसे लााइन हाजिर किया गया है।हर तरफ यह चर्चा का विषय बन गया है।मुजफ्फरपुर में शराब पीते पुलिस वाले का वीडियो : दरअसल, सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में एक पुलिसकर्मी के शराब सेवन करने का दावा किया जा रहा है।वीडियो के सामने आते ही पुलिस प्रशासन ने एक्शन शुरू कर दिया है।पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और वीडियो की सत्यता व आरोपों की पुष्टि की प्रक्रिया जारी है।क्या है पूरा मामला : जानकारी के अनुसार, मामला कटरा थाना क्षेत्र के बकूची चौक के समीप का बताया जा रहा है।वायरल वीडियो में दिख रहे पुलिसकर्मी की पहचान डायल-112 टीम में तैनात पीटीसी शौकत अली/शौकत खान के रूप में की जा रही है।वीडियो में उनके शराब सेवन करने का दावा किया जा रहा है, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही होगी।मामले को गंभीरता से लेते हुए मुजफ्फरपुर एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा के निर्देश पर तत्काल जांच के आदेश दिए गए हैं। प्रारंभिक विभागीय कार्रवाई के तहत संबंधित पुलिसकर्मी को कटरा थाना की प्रतिनियुक्ति से हटाकर आरक्षी केंद्र, मुजफ्फरपुर वापस भेज दिया गया है।

पानी-बिजली के लिए सड़क पर उतरे बच्चे! स्कूल के खिलाफ छात्रों का फूटा गुस्सा, गया मुख्य मार्ग जाम

गया, एजेंसी। गया-बोधगया मुख्य मार्ग स्थित राजकीय मध्य विद्यालय केंदुई के छात्रों ने बुधवार को पानी, बिजली और पंखा की व्यवस्था की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया।अचानक छात्रों के सड़क पर उतरने से मुख्य मार्ग पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी और यातायात बाधित हो गया।सड़क जाम कर छात्रों ने स्कूल प्रशासन पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया।बच्चों ने कहा कि स्कूल में उनके लिए बुनियादी सुविधाओं तक की व्यवस्था नहीं है और शिकायत करने के बावजूद उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है।छात्रों ने बताया कि गर्मी के दिनों में उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।स्कूल में न तो पर्याप्त पानी की व्यवस्था है और न ही बिजली और पंखे की सुविधा।इसके कारण पढ़ाई करना मुश्किल हो गया है।बच्चों का कहना है कि स्कूल के शिक्षकों द्वारा बार-बार सिर्फ आश्वासन दिया जाता है, लेकिन समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा।लगातार उपेक्षा से नाराज होकर छात्रों ने सड़क जाम कर विरोध प्रदर्शन किया।घटना के बाद स्थानीय अभिभावकों में भी नाराजगी देखने को मिली।लोगों का कहना है कि बच्चों को बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना स्कूल प्रशासन की जिम्मेदारी है, लेकिन इस ओर गंभीरता नहीं दिखाई जा रही है।

मलमास मेले पर गर्मी और महंगाई की मार, कारोबार कम होने से दुकानदारों और होटल व्यवसायियों में चिंता

पटना, एजेंसी। राजगीर के एक माह तक चलने वाले मलमास मेले के चार दिन बीत चुके हैं।धीरे-धीरे मेले में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ रही है।लेकिन दूर-दराज से पहुंचे दुकानदारों, झूला संचालकों, सर्कस कर्मियों और होटल व्यवसायियों के चेहरे अब भी मायूस नजर आ रहे हैं।सभी को उम्मीद थी कि शुरुआती दिनों से ही बड़ी संख्या में बाहरी श्रद्धालु पहुंचेंगे, लेकिन फिलहाल ऐसा माहौल नहीं बन पाया है।राजगीर के एक होटल संचालक बिरेंद्र प्रसाद ने बताया कि इस बार मेले में स्थानीय श्रद्धालुओं की संख्या अधिक दिखाई दे रही है।अधिकांश लोग बाइक, स्कूटी, टोटो, ऑटो और निजी वाहनों से पहुंचकर देर रात तक मेला घूमने के बाद वापस लौट जा रहे हैं।इसका सीधा असर होटल व्यवसाय पर पड़ा है।राजगीर के कई लग्जरी और मध्यम श्रेणी के होटलों के कमरे खाली पड़े हैं।होटल संचालकों का कहना है कि मेले को लेकर की गई तैयारियों और खर्च के मुकाबले आमदनी बेहद कम है।कुछ लोग राजगीर मलमास मेले में अब तक बाहरी और अन्य राज्यों के श्रद्धालुओं की कम मौजूदगी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन बचाने और वाहनों का कम उपयोग करने की अपील से जोड़कर देख रहे हैं।हालांकि स्थानीय होटल संचालकों और दुकानदारों का मानना है कि मेले में बाहरी श्रद्धालुओं की भीड़ आमतौर पर एक-दो सप्ताह बाद बढ़ती है।वहीं स्थानीय दुकानदार मैनेजर का कहना है कि भीषण गर्मी भी बाहरी श्रद्धालुओं के कम आगमन की बड़ी वजह है। उनका मानना है कि तापमान में कमी आने और मेले की रौनक बढ़ने के साथ बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में तेजी आ सकती है।मलमास मेले में छोला-भटूरा की दुकान चलाने वाले उत्तरी बिहार के खगड़िया निवासी विशु चौधरी ने बताया कि मेले में महंगे किराये पर अस्थायी दुकान लगाने वाले बाहरी कारोबारियों की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है।आधुनिक और पारंपरिक खिलौने, रेडिमेड कपड़े, बच्चों के रंग-बिरंगे परिधान और मेहंदी जैसी मेले की पारंपरिक वस्तुएं श्रद्धालुओं को अपेक्षित रूप से आकर्षित नहीं कर पा रही हैं।कई दुकानदार दिनभर ग्राहकों का इंतजार करते नजर आ रहे हैं।

पटना सिटी में सनकी दामाद ने सास-ससुर और पत्नी-बच्चे को जिंदा जलाया

पटना, एजेंसी। पटना सिटी इलाके से एक रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात सामने आई है, जहां आपसी विवाद में एक दामाद ने क्रूरता की सारी हदें पार कर दीं। बुधवार सुबह राजा बाबू खाटू श्याम गली स्थित एक मकान में दामाद ने अपनी ही पत्नी, मासूम बच्चे, सास और ससुर पर पेट्रोल या कोई अन्य ज्वलनशील पदार्थ छिड़ककर आग लगा दी।

इस भयावह घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। आग की लपटें और चीख-पुकार सुनकर दौड़े पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद सभी घायलों को बेहद गंभीर स्थिति में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पटना सिटी एसडीपीओ-2 ने बताया कि शुरुआती जांच में परिवार की ओर से दामाद पर आग लगाने का गंभीर आरोप लगाया गया है। पुलिस इन सभी बिंदुओं को ध्यान में रखकर तफ्तीश कर रही है। आरोपी को पकड़ने के लिए इलाके और आसपास की गलियों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस का दावा है कि जल्द ही आरोपित को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

घटनास्थल की स्थिति को देखकर साफ अंदाजा लगाया जा सकता है कि वारदात से पहले घर के भीतर काफी विवाद और खींचतान हुई थी। कमरे के अंदर सामान बिखरा पड़ा मिला और एक बैग भी रखा हुआ था, जिससे आशंका जताई जा रही है कि आरोपी या तो किसी तैयारी के साथ आया था या फिर वारदात के बाद कुछ समेटने की कोशिश की गयी थी। मकान मालिक गोविंद अग्रवाल ने बताया कि इस अगलगी में उनके पिता पुरुषोत्तम अग्रवाल, मां नीलम देवी, पत्नी मुन्नी देवी और एक छोटा बच्चा बुरी तरह झुलस गए हैं।

सुबह करीब साढ़े दस बजे अचानक गोविंद अग्रवाल के घर से आग की लपटें और धुएं का गुबार निकलता देखा गया। अनहोनी की आशंका में जब लोग घर की तरफ दौड़े तो अंदर का नजारा देखकर दहल गए। चारों पीड़ित आग की लपटों में घिरे हुए थे। इलाका बेहद संकरा होने के कारण शुरुआत में राहत और बचाव कार्य में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। दमकल या बड़ी गाड़ियों का वहां पहुंचना नामुमकिन था, लेकिन स्थानीय युवाओं और पड़ोसियों ने सूझबूझ और साहस का परिचय देते हुए पुलिस की मदद से घायलों को तुरंत रेस्क्यू किया और बिना वक्त गंवाए अस्पताल पहुंचाया।

सभी घायलों को इलाज के लिए पटना के एनएमसीएच में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों के अनुसार चारों पीड़ितों के शरीर का काफी हिस्सा झुलस चुका है, जिसके कारण उनकी स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई है। फिलहाल उन्हें विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में सघन चिकित्सा कक्ष में रखा गया है। पटना सिटी के एसडीपीओ-2 गौरव कुमार भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मामले की संवेदनशीलता और गंभीरता को देखते हुए साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल की टीम को भी तलब किया है। टीम ने घटनास्थल से जले हुए अवशेष और अन्य नमूने एकत्र किए हैं।घटना के बाद सभी घायलों को इलाज के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एनएमसीएच) भेजा गया है। आग लगने से मकान को भी काफी नुकसान पहुंचा है।

नालंदा में पत्नी से विवाद के बाद रेलवे कर्मी ने फांसी लगाकर दी जान

नालंदा, एजेंसी। घटना नालंदा जिला के लहेरी थाना इलाके के रामचंद्रपुर रेहटपर मोहल्ले में पत्नी से विवाद के बाद एक रेलवे कर्मी ने पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान बेन थाना क्षेत्र के बलचन बिगहा गांव निवासी राघवेंद्र कुमार के रूप में हुई है। वह रेलवे में तकनीशियन के पद पर कार्यरत थे और उनकी पोस्टिंग आरा में थी।

परिजनों ने बताया कि मंगलवार की रात किसी बात को लेकर उनकी पत्नी से कहासुनी हुई थी। इसके बाद उन्होंने कमरे में जाकर पंखे से फंदा लगा लिया। काफी देर तक बाहर नहीं निकलने पर परिजनों ने दरवाजा खोला तो उन्हें फंदे से लटका पाया। आनन-फानन में नीचे उतारकर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सूचना मिलने पर लहेरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बिहार में राष्ट्रीय कला विश्वविद्यालय, भिखारी ठाकुर के नाम पर म्यूजियम; सम्राट चौधरी सरकार का प्लान

पटना, एजेंसी। बिहार में राष्ट्रीय कला विश्वविद्यालय स्थापित करने की तैयारी सरकार के स्तर पर चल रही है। साथ ही भोजपुरी के शेक्सपीयर भिखारी ठाकुर के नाम से संग्रहालय भी बनाने की तैयारी है। सम्राट चौधरी सरकार के कला संस्कृति विभाग ने दोनों ही प्रस्तावों को जमीन पर उतारने का मन बना लिया है। कला विश्वविद्यालय की योजना जमीन पर उतरी तो बिहार इस उपलब्धि को पाने वाला देश का 17वां राज्य बन जाएगा। दिल्ली, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, कर्नाटक, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात और छत्तीसगढ़ जैसे कला उन्नत प्रदेशों में पहले से ही इस तरह के कला विषयक विश्वविद्यालय हैं।

गौरतलब है कि बिहार में चाक्षुष कला (फाइन आटर्स) की पढ़ाई तो पटना आर्ट कॉलेज में स्नातक स्तर तक की होती है, लेकिन प्रदर्श (मंचीय कला) आटर्स के शिक्षण के लिए कोई कॉलेज या विश्वविद्यालय नहीं है। शहनाई के जादूगर को समर्पित बिस्मिल्लाह खान महाविद्यालय भी अभी जमीन पर उतरना बाकी है। ऐसे में कला संस्कृति विभाग ने राष्ट्रीय कला विश्वविद्यालय खोलने का सैद्धांतिक निर्णय ले लिया है। जल्द ही विभाग प्रस्ताव बनाकर शीर्षस्तर पर इसकी मंजूरी लेने की पहल करेगा।

कला संस्कृति मंत्री डॉ।प्रमोद चंद्रवंशी ने सोमवार को हिन्दुस्तान से बातचीत में कहा कि राष्ट्रीय कला विश्वविद्यालय में सभी संबंधित विषयों और कलाओं के विशेषज्ञ और शिक्षक होंगे, ताकि यहां पर कलाकार रंगमंच, नृत्य और संगीत तथा इनकी उपविधाओं में

विधिवत प्रशिक्षित होकर डिग्री पा सकें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय राष्ट्रीय स्तर का होगा, जिससे विभिन्न राज्यों के विद्यार्थी भी यहां आकर उच्च कोटि की शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। बिहार में कला के क्षेत्र में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। ऐसे में यहां विश्वविद्यालय स्थापित होने से यहां की प्रतिभाओं को उचित सम्मान और पहचान मिलेगी।

राष्ट्रीय कला विवि खोलने की राह में कई चुनौतियों का भी सामना करना पड़ सकता है। खासतौर से सुयोग्य प्रशिक्षक और कला की समझ रखने वाले प्रशासक की तलाश आसान नहीं होगी।

कला संस्कृति मंत्री डॉक्टर प्रमोद चंद्रवंशी ने कहा कि राष्ट्रीय कला विश्वविद्यालय स्थापित होने से कलाकारों का पलायन थमेगा। राज्य की कला प्रतिभा अपने यहां ही विकसित होगी। हमारी कलाओं का संरक्षण होगा। दूसरे राज्य से भी कला विद्यार्थी प्रदेश में शिक्षा ग्रहण करने आएंगे तो बिहार की ब्रांडिंग भी होगी। रंगमंच, नृत्य और संगीत में उच्चशिक्षा के लिए फिलहाल बिहार के कलाकार दूसरे राज्यों के विश्वविद्यालयों पर आश्रित हैं।

केवल संगीत और नृत्य में हर साल हजारों बच्चे यूपी और हरियाणा समेत अन्य राज्यों के बोर्ड से परीक्षा देते हैं और राज्य का अच्छा-खासा पैसा बाहर जाता है। रंगमंच में भी लम्बे समय से राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की तर्ज पर ड्रामा स्कूल खोलने की मांग उठती रही है। नए विश्वविद्यालय के खुलने से रंगमंच समेत तीनों विधाओं में कलाकारों का विस्थापन रुकेगा।

भीषण गर्मी से तप रहा नालंदा, मलमास मेला और खरीफ खेती पर संकट

नालंदा, एजेंसी। नालंदा जिले में लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। पिछले तीन दिनों में तापमान 27-28 डिग्री से बढ़कर 39-40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है।

लोगों के बीच यह आशंका गहराने लगी है कि कहीं वर्ष 2024 में दर्ज 47 डिग्री सेल्सियस का रिकॉर्ड इस बार टूट न जाए। दोपहर में सड़कें सूनी दिख रही हैं और लू से लोग बेहाल हैं।

स्थिति इसलिए अधिक गंभीर मानी जा रही है क्योंकि 17 मई से राजगीर में विश्वप्रसिद्ध मलमास मेला शुरू हो चुका है। 15 जून तक चलने वाले इस धार्मिक आयोजन में लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। भीषण गर्मी और हीटवेव के बीच श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन गई है।

स्वास्थ्य विभाग ने मेले में स्वास्थ्य शिविर, पेयजल और प्राथमिक उपचार केंद्र सक्रिय किए हैं। मौसम विभाग ने नालंदा को हीटवेव प्रभावित क्षेत्र घोषित करते हुए लोगों को दोपहर 12 से 3 बजे तक घरों से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है।

जिले में भीषण गर्मी का इतिहास पहले भी खतरनाक रहा है। 14 जून 2024 को तापमान 47 डिग्री तक पहुंचा था, जबकि हीटस्ट्रोक से तीन लोगों की मौत हुई थी। विशेषज्ञों के अनुसार बढ़ती गर्मी का सबसे अधिक असर भूजल स्तर पर पड़ रहा है। सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड की रिपोर्ट में कई इलाकों में भूजल 11 मीटर तक नीचे जाने की बात कही गई है।

गर्मी का असर खरीफ खेती पर भी दिखने लगा है। किसान धान की नर्सरी लगाने से बच रहे हैं। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि जल संरक्षण और भूजल प्रबंधन पर ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले वर्षों में जिले को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है।

बिहार में दिव्यांग को थमा दी खराब ट्राईसाइकिल, युवक ने बाइक से खींचकर पहुंचाया घर

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार के मुजफ्फरपुर जिले के बोचहां प्रखंड स्थित रामप्यारी उच्च विद्यालय में मंगलवार को आयोजित सहयोग शिविर में बड़ी लापरवाही देखने को मिली। धनुषी गांव के दिव्यांग सुरेंद्र कुमार को शिविर में बैटरी चालित ट्राईसाइकिल दी गई, लेकिन खुशी कुछ ही देर में परेशानी में बदल गई, जब नई ट्राईसाइकिल ने काम करना बंद कर दिया।

खराब निकली दिव्यांग की नई ट्राईसाइकिल: सरकार की ओर से सहायता मिलने पर सुरेंद्र कुमार के चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दे रही थी। उम्मीद थी कि अब रोजमर्रा की आवाजाही आसान हो जाएगी और दूसरों पर निर्भरता कम होगी। लेकिन शिविर स्थल से घर लौटने के दौरान ट्राईसाइकिल में तकनीकी खराबी सामने आ गई। बताया गया कि बैटरी चालित ट्राईसाइकिल अचानक बंद हो गई और आगे बढ़ने में असमर्थ हो गई।

धूप में घंटों परेशान रहे दिव्यांग: इसके बाद सुरेंद्र विद्यालय परिसर के बाहर तेज धूप में घंटों परेशान बैठे रहे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वहां मौजूद अधिकारियों और कर्मियों की नजर इस समस्या पर पड़ी, लेकिन तत्काल मदद की कोई व्यवस्था नहीं हो सकी। दिव्यांग सुरेंद्र खराब ट्राईसाइकिल के साथ घर लौटने का रास्ता तलाशते रहे।

बाइक से बांधकर ट्राईसाइकिल खींची गयी : इसी बीच एक स्थानीय युवक मदद के लिए आगे आया। उसने अपनी बाइक में लाल गमछा बांधकर ट्राईसाइकिल को रस्सी की तरह खींचने की व्यवस्था की और खराब वाहन को धीरे-धीरे खींचते हुए सुरेंद्र कुमार को उनके घर तक पहुंचाया।यह दृश्य वहां मौजूद लोगों के बीच चर्चा का विषय बना रहा। लोगों का कहना था कि सरकारी योजना के तहत मिलने वाली सुविधा की गुणवत्ता और वितरण के बाद सहायता व्यवस्था पर भी ध्यान देने की जरूरत है।

नेतृत्व को चुनौती नहीं दे सकते, आनंद मोहन को लेसी सिंह का जवाब-

नीतीश कुमार ही लेते हैं जेडीयू में निर्णय

पटना, एजेंसी। पूर्व सांसद आनंद मोहन इन दिनों जेडीयू से नाराज चल रहे हैं।लगातार नेतृत्व को लेकर सवाल उठा रहे हैं।वह नीतीश कुमार को जिंदा दफन कर देने तक का आरोप लगा रहे हैं।हालांकि भवन निर्माण मंत्री लेसी सिंह ने उनको जवाब दिया है।मंत्री ने कहा कि आनंद मोहन ने जिस प्रकार से पार्टी नेतृत्व पर सवाल खड़ा किया है, उसे पार्टी नेतृत्व जरूर देखेगा लेकिन मेरी व्यक्तिगत राय है कि हमारे सर्वमान्य नेता नीतीश कुमार आज भी सक्षमता के साथ सभी निर्णय लेते हैं।

आनंद मोहन को लेसी सिंह का जवाब: लेसी सिंह ने कहा कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व के फैसले को पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता अंगीकार करता है।नेतृत्व हमारा सक्षम है और उन्हीं के निर्णय पर सब काम हो रहा है।मंत्री ने कहा कि हमारे नेता की सक्षमता पर कोई सवाल नहीं उठा सकता।सरकार का निर्णय हो या पार्टी का निर्णय हो, हमारे नेता नीतीश कुमार सभी निर्णय लेने में

सक्षम हैं।

जिंदा दफनाने वाले बयान पर पलटवार: नीतीश कुमार को जिंदा दफना दिए जाने वाले आनंद मोहन के बयान पर लेसी सिंह ने तल्ख लहजे में कहा, 'देश में कोई ऐसी शख्सियत नहीं है, जो हमारे नेता को जिंदा दफना सके।हमारे नेता नीतीश कुमार बिहार के करोड़ों लोगों के दिल में बसते हैं।महिलाओं और दबे-कुचले के दिलों में बसते हैं।'

हमारे नेता के साथ आधी आबादी: मंत्री ने कहा कि इस तरह के बयान जो दे रहे हैं, वह तो हमारे नेता की सक्षमता को ही चुनौती दे रहे हैं।अगर हमारे नेता को कोई उंगली भी दिखाए या आंख भी दिखाएगा तो करोड़ों महिलाएं हमारे नेता के साथ खड़ी हैं।

वशिष्ठ बाबू ने कभी कुछ नहीं मांगा: आनंद मोहन ने वशिष्ठ नारायण सिंह को लेकर भी कहा कि जो लोग त्याग किया और सरकार बचाने में मदद की उसका भी ध्यान नहीं रखा गया।इस पर लेसी सिंह ने कहा कि वशिष्ठ बाबू ने तो ऐसा नहीं बोला है।वह समाजवादी नेता हैं और उन्होंने कभी नहीं अपने परिवार के लिए या अपने लिए कुछ मांगा है।

नेतृत्व को चुनौती नहीं दे सकते: क्या चेतन आनंद को मंत्री नहीं बनाए जाने से आनंद मोहन नाराज हैं इस पर मंत्री लेसी सिंह ने कहा कि वह इस पर कुछ नहीं बोलेंगी लेकिन जिस प्रकार से उन्होंने हमारे नेतृत्व की सक्षमता को चुनौती दी है, उसको पार्टी नेतृत्व जरूर देखेगा।

26 राज्यों से सस्ता बिहार, गांव के मुकाबले शहर में रहना आसान!

पटना, एजेंसी। बिहार समेत देशभर में महंगाई की मार पड़ने लगी है। पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ गए हैं। रोजमर्रा की जरूरी चीजों की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी से घर का बजट बिगड़ने लगा है। हालांकि राहत की बात ये है कि अभी भी देश के अन्य राज्यों की तुलना में बिहार थोड़ी बेहतर स्थिति में है। अप्रैल महीने के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आंकड़ों की मानें तो देश के 26 राज्यों की तुलना में बिहार में जीवन जीना ज्यादा आसान और सस्ता है। हालांकि चिंता की बात ये है कि शहर की तुलना में गांव में जीवन बसर थोड़ा मुश्किल साबित हो रहा है।

पेट्रोल और डीजल महंगा: हाल के दिनों में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में दो चरणों में बढ़ोतरी हुई है। पहली बढ़ोतरी 15 मई 2026 को हुई, जब तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के दाम करीब 3 रुपये प्रति लीटर बढ़ाए थे। इसके बाद 19 मई 2026 को दूसरी बार कीमतें बढ़ाई गई, जिसमें पेट्रोल करीब 87 पैसे और डीजल करीब 91 पैसे प्रति लीटर महंगा हुआ।

पटना में क्या है कीमत: पटना में पेट्रोल की कीमत लगभग 109।94 रुपये प्रति लीटर और डीजल 96।05 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच चुकी है। मई महीने में अब तक पेट्रोल करीब 4।3% और डीजल करीब 4।5% की वृद्धि की जा चुकी है। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी से खाने-पीने की चीजों में भी इजाफा हुआ है। जिस वजह से आम लोग परेशान हैं।

पेट्रोल का जलन महसूस कर रहे लोग: डॉ. राजीव पेशे से चिकित्सक हैं और उनके परिवार में चार सदस्य हैं। वह बताते हैं, 'मैं कार से ड्यूटी जाता हूं लेकिन पेट्रोल और डीजल की कीमतों में वृद्धि की चिंता सताने लगी है। पहले जहां हर रोज 500 का तेल लेने पर काम चल जाता था, वहीं अब वही हर रोज 600 रुपये का तेल लेना पड़ रहा है। महीने का 2000 खर्च सिर्फ पेट्रोल पर बढ़ गया है। इस हिसाब से साल के 25000 का बोझ परिवार पर बढ़ चुका है।'

क्या कहते हैं अर्थशास्त्री: आम लोगों को भले ही या लग रहा हो कि पेट्रोल डीजल और गैस की कीमतों में वृद्धि हुई है। अर्थशास्त्र के नजरिए से अगर देखा जाए तो कहानी कुछ और है। चर्चित अर्थशास्त्री डॉक्टर विद्यार्थी विकास कहते हैं कि दरअसल पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई वृद्धि नहीं हुई है अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत बिल्कुल स्थिर है।

वे बताते हैं कि मई 2014 में कच्चे तेल की कीमत 103 डॉलर प्रति बैरल थे। मई 2026 में भी कच्चे तेल की कीमत 103 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर है। कहानी में यहीं पर ट्विस्ट है। डॉ। विद्यार्थी विकास का कहना है कि मई 2024 में जब डॉलर की कीमत 60 हुआ करती थी तो पेट्रोल 72 रुपये लीटर मिल रहे थे। आज 96 के स्तर पर पहुंच गया है तो पेट्रोल 110 रुपये प्रति लीटर तक पहुंच गया है।2014 के मुकाबले 2026 में डॉलर की कीमतों में 36 रुपये का इजाफा हुआ है और वही वृद्धि आंकड़ों में दिख रही है। 2024 में जहां पेट्रोल 72 रुपये लीटर था। वही। 2026 में पेट्रोल 110 रुपये लीटर है। कुल मिलाकर 38 रुपये का अंतर आया है, जबकि डॉलर में 36 की वृद्धि हुई है। जरूरी सामान की कीमतों में 30% का इजाफा: पेट्रोल और डीजल और ईंधन महंगा होने का असर अब सीधे रसोई तक पहुंच चुका है। परिवहन लागत बढ़ने से चावल, दाल, आटा, रिफाइंड और सरसों तेल जैसी जरूरी वस्तुओं की कीमतों में भी भारी इजाफा हुआ है। अगर यही स्थिति बनी रही तो बिहार में गरीबी और बेरोजगारी दोनों बढ़ने के असार हैं। ईंधन महंगा होने का सबसे बड़ा असर परिवहन और खाद्य वस्तुओं की सप्लाई चेन पर पड़ा है।

बिहार से आई शर्मनाक तस्वीर, कचरे के ठेले से पुलिस ने भेजा पोस्टमार्टम के लिए शव

बेगूसराय, एजेंसी। बिहार के बेगूसराय में मानवता शर्मसार करने वाली तस्वीर सामने आई है, जहां एक युवक के शव को पुलिस की मौजूदगी में कचरा ढोने वाले ठेले पर लादकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसके बाद पुलिस की कार्यप्रणाली और संवेदनशीलता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

बेगूसराय जिले के रतनपुर थाना क्षेत्र के चट्टी रोड से यह मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि स्थानीय निवासी रवि रोशन कुमार का घर पिछले तीन-चार दिनों से बंद था। रविवार को घर से तेज दुर्गंध आने लगी तो आसपास के लोगों ने इसकी सूचना परिजनों और पुलिस को दी। दरवाजा तोड़ने पर पुलिस रह गई सन्न : सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और घर का दरवाजा तोड़ा गया। अंदर रवि रोशन कुमार का शव फंदे से लटका मिला। जानकारी के मुताबिक मृतक की पत्नी करीब एक

संक्षिप्त समाचार

एलएलबी परीक्षा तिथि बढ़ाने की मांग, विवि के गेट पर छात्रों ने जड़ा ताला

आगरा, एजेंसी। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय में एलएलबी परीक्षा की तिथि बढ़ाने की मांग को लेकर मंगलवार को छात्रों ने जमकर प्रदर्शन किया। अपनी मांगें लेकर बड़ी संख्या में छात्र पहले नियंत्रक ऑफिस पहुंचे, लेकिन वहां कोई अधिकारी या कर्मचारी मौजूद नहीं मिला। इससे नाराज छात्रों ने विश्वविद्यालय के मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया और कई कार्यालय बंद कराकर कर्मचारियों को बाहर निकाल दिया। छात्रों का कहना था कि लगातार समस्याएं उठाने के बावजूद उनकी सुनवाई नहीं की जा रही है। इसके बाद छात्र खंदारी परिसर स्थित कुलपति आवास पहुंच गए। यहां छात्रों ने भीषण गर्मी के बीच कई घंटे तक धरना-प्रदर्शन किया। छात्रों का आरोप था कि लंबे इंतजार के बावजूद कुलपति बाहर नहीं आईं और उनकी समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया गया। काफी देर बाद डीन एकेडमिक प्रो. मनु प्रताप मौके पर पहुंचे और छात्रों से ज्ञापन लिया। छात्रों ने मांग है कि एलएलबी परीक्षा 25 मई से बढ़ाकर 10 जून के बाद की जाए। उन्होंने छात्रों को जल्द निर्णय से अवगत कराने का आश्वासन दिया। प्रदर्शन के दौरान विकास यादव, सोनू, अंकित राजपूत, आशिका, रेखा, गौतम यादव, तनिष्क आदि सहित बड़ी संख्या में छात्र मौजूद रहे।

लेखपाल भर्ती और संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा की परखीं तैयारियां

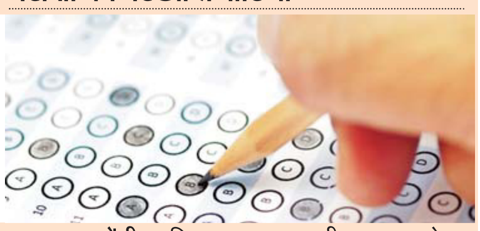

लखनऊ, एजेंसी। कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार ने लेखपाल भर्ती की मुख्य लिखित परीक्षा तथा उप्र संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा-2026 की तैयारियों की समीक्षा के दौरान कहा कि परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए सतर्कता एवं समन्वय सुनिश्चित किया जाए। जिन जिलों में सर्वाधिक अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे, वहां विशेष सतर्कता बरतें। वह मंगलवार को मंडलायुक्तों, डीएम और जिलों के पुलिस प्रभारियों को परीक्षाओं के आयोजन के संबंध में दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि परीक्षा ड्यूटी में लगे सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों का प्रशिक्षण कराया जाए, ताकि किसी चूक की संभावना न रहे। कोषागार से प्रश्नपत्र एवं अन्य गोपनीय सामग्री की निकासी निर्धारित केंद्र एवं सीरीज के अनुसार करें। अभ्यर्थियों की चेकिंग गंभीरता से हो। रेलवे स्टेशनों एवं बस अड्डों पर अभ्यर्थियों और उनके परिजनों की सुरक्षा एवं सुविधा के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात करें और होल्डिंग एरिया बनाएं।

तेज रफ्तार डंपर ने बाइक को रौंदा, सुसराल से लौट रहे युवक की मौत

कानपुर, एजेंसी। कानपुर में घाटमपुर के पतारा कस्बे में बुधवार की सुबह तेज रफ्तार डंपर बाइक सवार को टक्कर मारते हुए कुचलकर भाग निकला। हादसे में बाइक सवार की मौके पर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। इस दौरान चौकी इंचार्ज को युवक के पास से मिले 50 हजार रुपए पुलिस ने परिजनों को सौंप दिया। कौशांबी जिले के अनेठा, कैमा गांव निवासी संजय (48) दो दिन पूर्व अपनी ससुराल जगदीशपुर गांव निवासी बब्बू सिंह के यहां पर आए थे। बुधवार सुबह ससुराल में कार खड़ी करके बाइक से वापस घर लौट रहे थे। जैसे ही वह कानपुर-सागर हाईवे पर कस्बा स्थित तिलसड़ा मोड के पास पहुंचे। तभी तेज रफ्तार डंपर बाइक सवार को टक्कर मारकर कुचलते हुए भाग निकला। हादसे में युवक की मौके पर मौत हो गई। राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पतारा चौकी पुलिस ने परिजनों को सूचना देकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया। थाना प्रभारी मनोज सिंह भदौरिया ने बताया कि तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, हादसे की सूचना मिलते मृतक की पत्नी माया और बेटी काजल का रो-रोकर बुरा हाल है।

फर्जी हस्ताक्षर कर गैरहाजिर शिक्षक

स्कूल में डला था ताला, प्रधानाध्यापक निलंबित; पूरे स्टाफ का वेतन रोका

आगरा, एजेंसी। बेसिक शिक्षा विभाग ने लापरवाही, गैरहाजिरी और फर्जीवाड़े के मामलों में प्रधानाध्यापक और एक सहायक अध्यापक को निलंबित कर दिया है। प्राथमिक विद्यालय शेरपुर में निरीक्षण के दौरान स्कूल के मुख्य गेट पर ताला लटका मिलने और बच्चों के गेट फांदकर अंदर जाते मिलने पर प्रधानाध्यापक के खिलाफ कार्रवाई की गई। वहीं प्राथमिक विद्यालय कछपुरा में तैनात सहायक अध्यापक पर फर्जी चिकित्सीय अवकाश लेने, बिना सूचना अनुपस्थित रहने पर बीएसए ने निलंबन के आदेश जारी किए हैं। दोनों मामलों में विभागीय जांच बैठा दी गई है और संबंधित स्टाफ पर भी कार्रवाई की गई है।

सैंया विकास खंड के प्राथमिक विद्यालय शेरपुर का निरीक्षण 12 मई को खंड विकास अधिकारी सैंया ने किया था। सुबह करीब 8:30 बजे विद्यालय के मुख्य गेट पर ताला लटका मिला। गेट छोटा होने के कारण बच्चे ऊपर चढ़कर स्कूल परिसर में प्रवेश कर रहे थे। मौके पर मौजूद प्रधानाध्यापक एवं प्रभारी प्रधानाध्यापक जितेंद्र पिप्पल के पास विद्यालय की चाबी तक नहीं थी।

निरीक्षण अधिकारियों को बाउंड्री फांदकर अंदर जाना पड़ा। बाद में अन्य स्टाफ भी विद्यालय पहुंचा। मामले को गंभीर लापरवाही मानते हुए मुख्य विकास अधिकारी की संस्तुति पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी जितेंद्र कुमार गोंड ने प्रधानाध्यापक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। साथ ही विद्यालय के अन्य स्टाफ का 12 मई का वेतन और मानदेय रोक दिया गया। मामले की जांच खंड शिक्षा अधिकारी शमसाबाद जगत सिंह राजपूत को सौंपी गई है।

उधर, प्राथमिक विद्यालय कछपुरा में तैनात सहायक अध्यापक लोकेश बाबू पर भी विभाग ने कड़ी कार्रवाई की है। 18 अप्रैल को हुए निरीक्षण में शिक्षक बिना सूचना अनुपस्थित मिले थे। जांच में फर्जी तरीके से चिकित्सीय अवकाश लेने और उपस्थिति पंजिका में बोर्ड परीक्षा ड्यूटी के फर्जी हस्ताक्षर करने की बात सामने आई।

बीएसए ने बताया कि संबंधित शिक्षक की कोई परीक्षा ड्यूटी लगाई ही नहीं गई थी। इससे पहले अक्तूबर 2025 में भी उन्हें चेतावनी दी गई थी, लेकिन सुधार न होने पर उन्हें निलंबित कर पूर्व माध्यमिक विद्यालय नगला छाहरी से संबद्ध किया है। मामले की जांच बाह के खंड शिक्षा अधिकारी अमरनाथ को सौंपी गई है।

गर्ल्स कॉलेज की जर्जर बिल्डिंग में अब नहीं होगी पढ़ाई

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी के हुसैनगंज स्थित चुटकी भंडार गर्ल्स इंटर कॉलेज की जर्जर बिल्डिंग में अब पढ़ाई या कोई भी शिक्षण कार्य नहीं होगा। हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार पांडेय को निर्देश दिया कि सप्ताह भर में कालेज में पढ़ाई या कोई भी शैक्षणिक कार्य न होना सुनिश्चित करें।

न्यायमूर्ति आलोक माथुर और न्यायमूर्ति बृजराज सिंह की खंडपीठ ने डीआईओएस को स्पष्ट रूप से आदेश दिया है कि जिस भवन में चुटकी भंडार गर्ल्स इंटर कॉलेज संचालित हो रहा है, उसकी अत्यंत जर्जर स्थिति को देखते हुए, समस्त शैक्षणिक कार्यों को बंद करके सभी विद्यार्थियों को निकटवर्ती विद्यालयों में स्थानांतरित किया जाए। कोर्ट ने यह आदेश विजय कुमार पांडेय की जनहित याचिका पर दिया। इसमें, कॉलेज की दयनीय स्थिति और छात्राओं की सुरक्षा का मुद्दा उठाया गया था।

अदालत ने कहा कि मामले में पहले डीआईओएस तथा लोक निर्माण विभाग के अभियंताओं से कॉलेज भवन का निरीक्षण कराए जाने का निर्देश दिया गया था। इसकी निरीक्षण रिपोर्ट 28 अप्रैल को पेश की गई है। इसके अनुसार विद्यालय भवन की अधिकांश दीवारों में शीयर फेल्योर क्रैक तथा स्ट्रक्चरल फेल्योर के स्पष्ट संकेत पाए गए हैं। भवन की छत प्रबलित ईंटों (री इंफोर्स्ड ब्रिक) से निर्मित है तथा उक्त संरचना की मरम्मत की कोई संभावना नहीं है।

ऐसे में संपूर्ण भवन को असुरक्षित घोषित किया गया है। ऐसी असुरक्षित संरचना में कक्षाओं का संचालन भी अनुमति योग्य नहीं है। कोर्ट ने आदेश में कॉलेज में काम कर रही सभी शिक्षकों, चतुर्थ श्रेणी व तृतीय श्रेणी शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को भी एक सप्ताह के अंदर आसपास के स्कूलों में समायोजित करने के निर्देश दिए हैं।

बसपा से गठबंधन करना चाहते हैं राहुल गांधी, मायावती के घर भेजे अपने दूत; बसपा सुप्रीमो ने वापस लौटाए

लखनऊ, एजेंसी। बसपा प्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती इन दिनों लखनऊ में हैं। यह जानकारी मिलने पर कांग्रेस अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम, विभाग के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद तनुज पुनिया व अन्य नेता मायावती के आवास पर पहुंचे। उन्होंने मिलने का संदेशा भेजवाया। चर्चा है कि वे कांग्रेस के महासचिव राहुल गांधी का संदेशा लेकर गए थे।

वे आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बातचीत करना चाहते थे, लेकिन मायावती ने उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया। कांग्रेस नेताओं से मिलने से मना कर दिया। ऐसे में उन्हें बैरंग लौटना पड़ा। कांग्रेस नेताओं को बिना बुलाए मायावती के दरवाजे पर जाने को लेकर प्रदेश की सियासत में तरह- तरह की चर्चाएं हैं।

इस संबंध में कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम का कहना है वह दलित समाज की पूर्व मुख्यमंत्री हैं। ऐसे में उनका हालचाल लेना हमारा दायित्व है। हमने अपना नाम गेट पर लिखवा दिया है। जब बुलाएंगी तो दोबारा मिलने जाएंगे।

10 जून को आएगी अंतिम मतदाता सूची

काम में जुटे 1500 से अधिक बीएलओ

आगरा, एजेंसी। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतदाता सूची के पुनरीक्षण के कार्य की मंगलवार को जिलाधिकारी मनीष बंसल ने समीक्षा की। बीएलओ को डुप्लीकेट मतदाताओं का तेजी से सत्यापन कर डाटा पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए हैं। आम जनता के लिए अंतिम मतदाता सूची 10 जून को प्रकाशित की जाएगी।

त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचक नामावली (मतदाता सूची) के वृहद पुनरीक्षण के लिए मंगलवार को एनआईसी सभागार में जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष बंसल की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में मतदाता सूची तैयार करने के संशोधित कार्यक्रम पर विस्तार से चर्चा की गई और अधिकारियों को तय समय-सीमा में काम पूरा करने के निर्देश दिए गए। बैठक में तय कार्यक्रम के अनुसार, मतदाताओं के डुप्लीकेशन (एक से अधिक जगह दर्ज नाम हटाना) और डाटा कंप्यूटरीकरण का काम 28 मई तक हर हाल में पूरी की जाएगी। इसके बाद 29 मई से 9 जून के बीच मतदान केंद्रों और स्थलों का क्रमांकन, वार्डों की मैपिंग, एसवीएन आवंटन और मतदाता सूची की छपाई का काम किया जाएगा। सभी प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद 10 जून को अंतिम निर्वाचक नामावली का जनसामान्य के लिए प्रकाशन कर दिया जाएगा।

पंचायत में 20.44 लाख से अधिक हैं मतदाता : आंकड़ों के अनुसार, आगरा जिले की 690 ग्राम पंचायतों में कुल 20,44,374 मतदाता हैं। चुनाव प्रक्रिया के लिए जिले में 1,432 मतदान केंद्र और 3,407 मतदेय स्थल (बूथ) हैं। मतदाता सूची को पारदर्शी और त्रुटिहीन बनाने के लिए वर्तमान में 1,502 बीएलओ और 163 सुपरवाइजर मैदान में काम कर रहे हैं।

फर्जी मतदाताओं पर प्रशासन की पैनी नजर : जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि विकास खंडवार संभावित डुप्लीकेट (दोहरी प्रविष्टि वाले) मतदाताओं की जो सूची मिली है, उसका बीएलओ से जल्द से जल्द भौतिक सत्यापन कराया जाए। जांच के बाद जो भी सही स्थिति हो, उसे तत्काल चुनाव आयोग के पोर्टल पर अपलोड किया जाए ताकि सूची में कोई भी फर्जी मतदाता न रहे। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी प्रतिभा सिंह, एडीएम प्रशासन आजाद भगत सिंह सहित निर्वाचन कार्यालय के सभी संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

पांच हजार उपभोक्ताओं को बड़ी राहत, खंदौली में नया विद्युत उपकेंद्र शुरू; 8 करोड़ की लागत से हुआ तैयार

आगरा, एजेंसी। आगरा के खंदौली क्षेत्र की बिजली व्यवस्था को दुरुस्त करने की दिशा में मंगलवार को बड़ी सौगात मिली। करीब आठ करोड़ 15 लाख रुपये की लागत से बनकर तैयार 10 एमवीए क्षमता वाले खंदौली टाउन विद्युत उपकेंद्र का उद्घाटन केंद्रीय राज्यमंत्री एसपी सिंह बघेल और एत्मादपुर के भाजपा विधायक धर्मपाल सिंह चौहान ने किया। उपकेंद्र के चालू होने से क्षेत्र के करीब पांच हजार उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत आपूर्ति मिलेगी।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों ने कहा कि सरकार ग्रामीण एवं कस्बाई क्षेत्रों में विद्युत ढांचे को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। नए उपकेंद्र के शुरू होने से ओवरलोड की समस्या कम होगी और उपभोक्ताओं को बार-बार होने वाली बिजली कटौती से राहत मिलेगी।

अधीक्षण अभियंता सोनवीर सिंह ने बताया कि पुराने सेमरा फीडर क्षेत्र को भी इस उपकेंद्र से जोड़ा जाएगा। अब तक उजरई फीडर से आने वाली पुरानी एचटी लाइन के कारण आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित रहती थी, लेकिन नए उपकेंद्र के संचालन से बिजली व्यवस्था अधिक सुचारु हो सकेगी। इस दौरान अधिशासी अभियंता मनोज कुमार, उपखंड अधिकारी नेहा तोमर, अरुण कुमार, यतेंद्र सिंह, अवर अभियंता शिव सिंह, नीलेश सक्सेना, विनोद शर्मा, हरिओम जूरैल, यशपाल जूरैल, जिला पंचायत सदस्य बब्बू चौहान और भाजपा नगर महामंत्री मुकेश गुप्ता आदि मौजूद रहे।

9 दिन तक रोजाना 2 घंटे रहेगी बिजली कटौती

आगरा ग्वालियर रोड 33/11बाद फीडर के अवर अभियंता राहुल चौधरी ने बताया है कि विद्युत विभाग की ओर से ट्रांसफार्मर को बचाने के लिए फ्यूज बॉक्स प्रत्येक ट्रांसफॉर्मर पर लगाए जा रहे हैं। इसके चलते फीडर इटौरा, बाद, कबूलपुर, सिंगेचा, रोहता, इटौरा 2 फीडरों पर प्रत्येक दिन दो घंटे की कटौती 20 मई से 28 मई तक रहेगी।

बरेली बवाल: मौलाना तौकीर रजा पर कानूनी शिकंजा कसने की तैयारी, मॉनीटरिंग सेल पैरवी करेगी तेज

बरेली, एजेंसी। बरेली में पिछले साल 26 सितंबर को शहर में बवाल कराने के आरोपी मौलाना तौकीर रजा और उसके साथियों को सख्त सजा दिलाने की तैयारी है। मुख्य आरोपी मौलाना तौकीर रजा समेत 94 आरोपियों के खिलाफ दर्ज सभी मुकदमों में चार्जशीट दाखिल करने के बाद अब मॉनीटरिंग सेल कोर्ट में कानूनी पैरवी तेज करेगी।

26 सितंबर को आई लव मुहम्मद विवाद की आड़ में बरेली में आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां ने माहौल भड़काया था। मौलाना ने जुमे की नमाज के बाद लोगों से इस्लामिया मैदान पर जुटकर विरोध करने की अपील की थी। इसके बाद सड़कों पर उतरी हजारों की भीड़ ने पुलिस पर हमला कर वाहनों व दुकानों में तोड़फोड़ की और पुलिस पर भी फायरिंग कर दी। पुलिस ने आंसू गैस छोड़कर लोगों को खदेड़ा। भागते हुए आरोपियों ने पेट्रोल बम फोड़े थे।

बवाल के लिए मंगाए गए थे असलहा

बवाल की जांच में पता लगा कि बहेड़ी इलाके से असलहों की खेप भी मंगवाई गई थी। इन्हीं असलहों से की गई फायरिंग में कई पुलिसकर्मी घायल हो गए थे। श्यामगंज में हालात इस कदर बिगड़ गए कि खुद एसएसपी अनुराग आर्य को लाठी फटकार कर बवालियों को खदेड़ना पड़ा था। बवाल के बाद शहर के पांच थानों में दस मामले दर्ज किए गए थे। इसमें 125 लोगों को नामजद करने के साथ ही करीब तीन हजार लोगों को आरोपी बनाया गया था।

पुलिस ने मौलाना तौकीर रजा समेत 94 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। मौलाना फिलहाल फतेहगढ़ सेंट्रल जेल में बंद है। कुछ लोगों की जमानत हो चुकी है तो कई अब भी जेल में हैं। कुछ मामलों में गिरफ्तारी न होने पर विवेचना पार्ट पेंडिंग में चल रही है।

एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि मौलाना तौकीर के खिलाफ दर्ज सभी मामलों में चार्जशीट पहले ही दाखिल हो चुकी है। अब मॉनीटरिंग सेल कोर्ट में ट्रायल के दौरान मॉनीटरिंग तेज करेगी।

ट्रांसपोर्टर हत्याकांड: आरोपी रवि यादव ने कोर्ट में किया सरेंडर, बी वारंट पर रिमांड लेकर पुलिस करेगी पूछताछ

आगरा, एजेंसी। ट्रांसपोर्टर असगर अली की हत्या के चर्चित मामले में पुलिस दबिश का दावा करती रही। उधर आरोपी रवि यादव मंगलवार को पुलिस की आंखों में धूल झोंककर कोर्ट में पेश हो गया। उसने थाना हरीपर्वत में वर्ष 2019 में दर्ज हुए मामले में जारी गैर जमानती वारंट में कोर्ट में समर्पण कर दिया। कोर्ट ने उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया। सोशल मीडिया पर उसके फोटो वायरल होने पर पुलिस को खबर लग सकी। अब आरोपी को हत्या में कोर्ट से तलब कराने की बात पुलिस कर रही है।

4 अप्रैल की रात को ट्रांसपोर्टर असगर अली को कार से कुचल दिया गया था। घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया था। पहले पुलिस ने हादसे की धारा में प्राथमिकी दर्ज की। बेटे डॉ. सजमन ने आरोप लगाया था कि पिता की हत्या की गई है। इसकी साजिश में जीएसटी अधिकारी, उनके पति पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अजय कुमार सिंह, रवि यादव, कामरान वारसी शामिल होने का आरोप लगाया था।

पुलिस की जांच में कई तथ्य सामने आए। हादसा करने वाली कार पूर्व में डॉ. अजय के भाई के नाम पर थी। वहीं दुर्घटना के समय रवि यादव की लोकेशन मिल गई। इस पर उसे आरोपी बना दिया गया। वहीं कामरान वारसी की संलिप्तता के सुबूत मिल गए थे। पुलिस मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश का दावा कर रही थी। उधर, रवि और कामरान वारसी भी हाईकोर्ट चले गए थे।

मंगलवार को रवि यादव अपने अधिवक्ता के माध्यम से कोर्ट पहुंचा। उसने कोर्ट में समर्पण कर दिया। उसके खिलाफ वर्ष 2019 में शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाने, धमकी और 7 सीएलए एक्ट में प्राथमिकी लिखी गई थी। उसे जमानत मिल गई थी। उसके गैर जमानती वारंट चल रहे थे। कोर्ट ने उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजने के आदेश किए। मामले में अगली सुनवाई 27 मई को होगी। डीसीपी सिटी सय्यद अब्बास अली ने बताया कि आरोपी को बी वारंट के आधार पर रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी।

रिमांड पर लेकर कई रहस्यों से उठाएंगे पर्दा

आरोपी रवि यादव की पत्नी ने हाल ही में तीन ऑडियो वायरल किए थे। इसमें एक तरफ उसके पति की आवाज थी। दूसरी तरफ आवाज डॉ. अजय कुमार की आवाज होने का दावा किया गया। डीसीपी सिटी ने बताया कि दोनों की आवाज का सैंपल लिया जाएगा। इसके लिए कोर्ट से अनुमति ली जाएगी। सैंपल को विधि विज्ञान प्रयोगशाला भेजा जाएगा। रवि के जेल में जाकर विवेचक बयान दर्ज करेंगे। उसे रिमांड पर भी लिया जा सकता है। उससे हत्या से संबंधित कई साक्ष्य भी जुटाए जाने हैं। डॉ. अजय ने आरोप लगाया था कि वायरल ऑडियो में उनकी आवाज नहीं है। यह एआई से बनाए गए हैं। अगर एआई से बनाए ऑडियो निकलते हैं तो एक और प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। वहीं गाड़ी के पूर्व में मालिक रहे अजय कुमार के भाई अरुण के बारे में भी जानकारी ली जाएगी। यह पता किया जाएगा कि घटना के समय वो मौजूद था या नहीं।

राज्यपाल का काफिला रोकने पर हुई थी प्राथमिकी

ट्रांसपोर्टर हत्याकांड का आरोपी मूल रूप से मैनपुरी और वर्तमान में बरहन के गांव नगला ताल खांडा निवासी रवि यादव पहले सपा छात्रसभा का पदाधिकारी था। 11 अक्तूबर 2019 को तत्कालीन थाना प्रभारी अजय कौशल ने रवि समेत सपा छात्रसभा और एनएसयूआई के 9 पदाधिकारियों पर प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसमें सरकारी कार्य में बाधा समेत कई गंभीर धाराएं लगाई गई थीं। आरोपियों ने 10 अक्तूबर को डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में शामिल होकर खंदारी परिसर से लौट रहे तत्कालीन राज्यपाल का काफिला रोकने का प्रयास किया था। काले झंडे दिखाकर अपमानित करने का आरोप लगा था।

संक्षिप्त समाचार

'विरोध के नाम पर हिंसा बर्दाश्त नहीं', केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के घर पुतला जलाने वालों को एचसी से झटका

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाई कोर्ट ने भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के सरकारी आवास के बाहर पुतला जलाने के

मामले में आरोपितों को राहत देने से इनकार करते हुए कहा कि लोकतंत्र में विरोध के नाम पर हिंसा स्वीकार नहीं की जा सकती।अदालत ने आरोपितों की आरोपमुक्त किए जाने की याचिका खारिज करते हुए उनकी कार्रवाई को बेहद विघटनकारी गतिविधि करार दिया। न्यायमूर्ति गिरीश कठपालिया ने कहा कि आरोपित जगदीप सिंह उर्फ जग्गा और अन्य लोगों ने केवल सड़क पर पुतला नहीं जलाया, बल्कि सुरक्षा कर्मियों के विरोध के बावजूद सड़क, फुटपाथ और सर्विस लेन पार कर जलते हुए हिस्सों को सुरक्षा कक्ष की छत पर फेंका। अदालत ने कहा कि इस तरह की हरकत को विरोध प्रदर्शन नहीं कहा जा सकता। अभियोजन के अनुसार, 21 जून 2022 को आरोपित जेपी नड्डा के मोतीलाल नेहरू मार्ग स्थित सरकारी आवास के बाहर एकत्र हुए थे। उन्होंने नारेबाजी की और पुतला जलाया। आरोप है कि आरोपित जलते हुए पुतले को लकड़ी की मदद से उठाकर गेट और सुरक्षा कक्ष की छत की ओर फेंककर मौके से फरार हो गए। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हुई, जिसकी फुटेज चार्जशीट का हिस्सा है। आरोपितों की ओर से अदालत में दलील दी गई कि घटना में किसी को चोट नहीं लगी और किसी की हत्या करने का इरादा भी नहीं था, इसलिए हत्या के प्रयास की धारा 307 लागू नहीं होती। यह भी कहा गया कि मामले में अधिकतम धारा 285 आइपीसी यानी आग से लापरवाही बरतने का मामला बनता है और धारा 436 लागू नहीं हो सकती क्योंकि किसी विस्फोटक पदार्थ का इस्तेमाल नहीं किया गया।

दिल्ली में खंडित मूर्तियों के लिए बनेंगे संग्रह केंद्र, सम्मान से निपटान और रीसाइक्लिंग की जाएगी

नई दिल्ली, एजेंसी। कई लोग घरों में वर्षों तक पूजी जाने वाली मूर्तियों को खंडित होने या पुरानी हो जाने पर पार्कों में, पेड़ के नीचे या कई बार सड़क किनारे छोड़ देते हैं। यह देवी-देवताओं का अनादर है। इससे लोगों की भावनाएं आहत होती हैं। वहीं, कई लोग इन्हें नदी, झील या तालाब में प्रवाहित कर देते हैं, जिससे प्रदूषण बढ़ता है। प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) और मूर्तियों को रंगने में प्रयुक्त रसायनों से जल प्रदूषण होता है। इस समस्या के समाधान के लिए दिल्ली सरकार ने खंडित मूर्तियों को एकत्रित करने के लिए विशेष संग्रह केंद्र बनाने का निर्णय लिया है। इन केंद्रों पर एकत्र की गई खंडित मूर्तियों को वैज्ञानिक तरीके से रिसाइकिल कर उपयोगी वस्तुओं में परिवर्तित किया जाएगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने खंडित देवी-देवताओं की मूर्तियों के सम्मानजनक संग्रह एवं रिसाइक्लिंग के लिए एक विशेष जनभागीदारी अभियान शुरू करने की घोषणा की है।

इसे पूरी तरह नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए दिल्लीवासियों से सुझाव मांगे गए हैं। लोगों के सुझावों के आधार पर इस योजना को अंतिम रूप दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि खंडित व पुरानी मूर्तियों को पेड़ के नीचे, नदी किनारे, पार्कों या सड़कों पर छोड़ देना न केवल धार्मिक भावनाओं को आहत करता है, बल्कि स्वच्छता और पर्यावरण के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर संग्रह केंद्र स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। इन केंद्रों पर लोग खंडित मूर्तियों को सम्मानपूर्वक जमा कर सकेंगे। उन्होंने लोगों से अपने विचार, संग्रह केंद्र बनाने के लिए उपयुक्त स्थान तथा इस व्यवस्था को और बेहतर व गरिमापूर्ण बनाने के संबंध में सुझाव इंटरनेट मीडिया के माध्यम से देने की अपील की हैं।

नलों से आ रहा बदबूदार पानी, दिल्ली जल बोर्ड के चक्कर काटकर थके लोग

बलबीर नगर में 2 महीने से हाहाकार

नईदिल्ली, एजेंसी। कर्दमपुरी वार्ड स्थित बलबीर नगर इलाके में पिछले करीब दो माह से सीवर युक्त गंदे पानी की सप्लाई होने से स्थानीय लोग भारी परेशानी का सामना कर रहे हैं। दूषित पानी की वजह से क्षेत्र में बीमारियों का खतरा बढ़ गया है और लोगों में दिल्ली जल बोर्ड के प्रति नाराजगी लगातार बढ़ती जा रही है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि कई बार शिकायत देने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा और लोग दूषित पानी पीने को मजबूर हैं।

विष्णु दत्त शर्मा ने बताया कि नलों से आने वाले पानी में बदबू आती है जो पीने योग्य तो क्या किसी घरेलू कार्यों के लिए भी नहीं किया जा सकता। मजबूरी में कई परिवार बाजार से पानी खरीदने को विवश हैं। बच्चों और बुजुर्गों में पेट संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ने लगा है, जिससे लोगों में डर का माहौल बना हुआ है।

आरडब्ल्यूए पदाधिकारी विद्या प्रकाश शर्मा ने बताया कि दिल्ली जल बोर्ड और संबंधित जनप्रतिनिधियों को कई बार लिखित शिकायत दी गई, और विभाग के चक्कर काट-काट कर थक चुके है लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले

हैं। लोगों का आरोप है कि विभागीय अधिकारी समस्या को गंभीरता से नहीं ले रहे, जबकि गर्मी के मौसम में पानी की समस्या लोगों के लिए बड़ी परेशानी बन चुकी है। वहीं, दूसरी ओर जनता गार्डन और मयूर विहार फेज-1 इलाके में भी पानी संकट गहराता जा रहा है। यहां पिछले कई दिनों से पानी की सप्लाई बाधित होने के कारण लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि सुबह और शाम के समय पानी नहीं आने से घरेलू कामकाज पूरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। लोगों ने संबंधित जेई को कई बार शिकायत दी, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला। पानी संकट को लेकर इंटरनेट मीडिया पर भी लोगों का गुस्सा देखने को मिल रहा है और विभाग के खिलाफ नाराजगी लगातार बढ़ रही है। दो महीने से गंदा और बदबूदार पानी आ रहा है। कई बार शिकायत कर चुके हैं लेकिन अधिकारी केवल आश्वासन देते हैं। पानी इतना खराब है कि बच्चों को पीने के लिए बाहर से पानी खरीदना पड़ रहा है। बीमारी फैलने का डर बना हुआ है। दिल्ली जल बोर्ड और जनप्रतिनिधियों को लिखित शिकायत दी गई, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं हुआ। बदबूदार पानी की सप्लाई होने से लोगों का दैनिक जीवन प्रभावित हो गया है। विभाग को जल्द कार्रवाई करनी चाहिए और जनप्रतिनिधियों जिम्मेवारी लेकर साफ पानी मुहैया कराना चाहिए। संबंधित जेई को जल्द से जल्द बलबीर नगर के लोगों की परेशानी हल करने के लिए बोल दिया गया है।

भोजशाला निर्णय के बाद कुतुब मीनार में पूजा के अधिकार की लड़ाई तेज

हिंदू संगठनों में जगी उम्मीदें

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य प्रदेश के धार में स्थित भोजशाला में पूजा करने की अनुमति मिलने के बाद हिंदू संगठनों को उम्मीद है कि दिल्ली के कुतुब मीनार परिसर में भी पूजा करने की अनुमति मिल जाएगी। इस संबंध में जल्द हिंदू संगठनों का एक प्रतिनिधिमंडल, यूनाइटेड हिंदू फ्रंट के बैनर तले भोजशाला मामले में हिंदुओं की ओर से मुकदमा लड़ने वाले वरिष्ठ वकील विष्णु शंकर जैन से मिलकर सलाह लेगा। वैसे, जैन ने वर्ष 2020 में कुतुब मीनार परिसर में भी पूजा करने की अनुमति के लिए साकेत कोर्ट में याचिका दायर की थी, जो 2023 में खारिज हो गई थी।

इसके बाद उन्होंने दोबारा याचिका डाल दी थी, जो अभी लंबित है। बताया जाता है कि कुतुब मीनार परिसर में स्थित लौह स्तंभ राजा अनंगपाल द्वारा बनाए गए विष्णु मंदिर में स्थापित था। इसे विष्णु स्तंभ कहा जाता है। स्तंभ के पास ही वह विवादित ढांचा भी मौजूद है, जिसे 27 हिंदू और जैन मंदिरों को तोड़कर बनाया गया था। इसे कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद नाम दिया गया है। इस ढांचे में आज भी हिंदू देवी-देवताओं की खंडित मूर्तियां मौजूद हैं।

मस्जिद के गेट पर वह शिलालेख मौजूद है, जिस पर लिखा है कि इसे 27 जैन और हिंदू मंदिरों को तोड़कर बनाया गया था। एएसआइ के पूर्व निदेशक डॉ. धर्मवीर शर्मा की माने तो कुतुब मीनार परिसर में स्थित विवादित ढांचे को कुतुबुद्दीन ऐबक ने हिंदू और जैन मंदिरों को तोड़कर जामा मस्जिद के नाम से बनाया था। उनके अनुसार यह ढांचा देश की दूसरी भोजशाला है। संस्कृति के प्रतीक चिह्न स्पष्ट रूप से देखे जा सकते हैं। जब भोजशाला में हिंदुओं को पूजा करने की अनुमति मिल सकती है, तो दिल्ली के इस ऐतिहासिक परिसर में सदियों से उपेक्षित देवी-देवताओं की मूर्तियों की पूजा-अर्चना का अधिकार भी मिलना ही चाहिए।

दिल्ली के वेलकम इलाके में एक युवक की हत्या से सनसनी, जांच में जुटी पुलिस

नईदिल्ली, एजेंसी। वेलकम थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात बदमाशों ने 22 वर्षीय युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान अमानुल्लाह कुरैशी पुत्र मोहम्मद तस्लीम निवासी गुरुद्वारा मोहल्ला, मौजपुर के रूप में हुई है। घटना के बाद इलाके में लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक, श्याम लाल कॉलेज के पास फायरिंग की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि घायल अमानुल्लाह को स्वजन पहले ही गुरु तेग बहादुर अस्पताल लेकर गए थे, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना के बाद फॉरेंसिक टीम ने मौके का निरीक्षण किया और साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने वेलकम थाने में हत्या समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपितों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए कई टीमें गठित की गई हैं। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। फिलहाल हत्या के पीछे के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

दिल्ली में वकीलों की हड़ताल पर अदालतों का एक्शन, कोर्ट का समय बर्बाद करने पर ठोका जुर्माना; चेतावनी भी जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। जिला अदालतों में सोमवार को वकीलों की हड़ताल के बीच कई अदालतों ने मामलों में स्थगन देने से इनकार करते हुए सख्त रुख अपनाया। विभिन्न अदालतों ने गैरहाजिरी और कार्यवाही में देरी को लेकर पक्षकारों पर दो हजार रुपये से लेकर 30 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया। अदालतों ने आदेशों में कहा कि हड़ताल के कारण न्यायिक समय की बर्बादी और असुविधा हुई है। ऐसे ही एक मामले पटियाला हाउस स्थित जिला सत्र न्यायाधीश धर्मेंद्र राणा ने एक पक्ष पर 30 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। अदालत ने कहा कि मामला समयबद्ध सुनवाई वाला है और दिल्ली हाई कोर्ट के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद शुरू में प्रतिवादी की ओर से कोई पेश नहीं हुआ। बाद में एक प्रॉक्सी वकील अदालत में उपस्थित हुआ, जब अदालत प्रतिकूल आदेश पारित करने वाली थी। मामले में वादी पक्ष के वकील ने स्थगन की मांग का विरोध करते हुए कहा कि हाई कोर्ट के निर्देशों के बावजूद प्रतिवादी की ओर से कोई उपस्थित नहीं हुआ। हालांकि अदालत ने प्रतिकूल आदेश पारित करने के बजाय मामले को 30 मई तक के लिए स्थगित कर दिया, लेकिन प्रतिवादी पर 30 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। यह राशि नई दिल्ली जिला के लॉयर्स वेलफेयर फंड में जमा कराने का निर्देश दिया गया। अदालत ने साथ ही चेतावनी दी कि आगे किसी भी पक्ष को अनावश्यक स्थगन नहीं दिया जाएगा।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का नया खंड खुलेगा, कालिंदी कुंज और मथुरा रोड पर कम होगा बोझ

नईदिल्ली, एजेंसी। डीएनडी महारानी बाग से जैतपुर पुश्ता रोड तक का नौ किलोमीटर का हिस्सा शुरू होने के बाद दिल्ली समेत नोएडा, गाजियाबाद और फरीदाबाद के लोगों को भी आवागमन में काफी सुविधा मिलेगी और उनका समय भी बचेगा।

एक्सप्रेसवे का जैतपुर पुश्ता रोड से आगे फरीदाबाद सेक्टर-65 तक का 24 किलोमीटर का हिस्सा और सेक्टर-65 से आगे सोहना तक 26 किलोमीटर का हिस्सा पहले से ही चालू है। इस हिस्से के शुरू होते ही दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद से फरीदाबाद, पलवल आने-जाने वाले हजारों वाहन चालकों को तेज और सुगम रास्ता मिल जाएगा, जो मथुरा रोड और कालिंदी कुंज का विकल्प भी बनेगा।

जगह-जगह सिग्नल के चलते मथुरा रोड जहां अक्सर जाम की चपेट में रहता है तो वहीं प्रमुख चौराहों में से एक कालिंदी कुंज पर भारी यातायात दबाव भी ट्रैफिक को जाम कर देता है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को नौ किलोमीटर के तैयार हिस्से के साथ फरीदाबाद सेक्टर-65 तक दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का निरीक्षण किया। मीठापुर चौक पर एंट्री और एग्जिट प्वाइंट पहले ही बना दिए गए हैं, जिससे दक्षिण दिल्ली के लोगों को खास लाभ मिलेगा। डीएनडी से मीठापुर तक आने वाले भी इस एक्सप्रेसवे का इस्तेमाल कर सकेंगे और उन्हें जाम से मुक्ति मिलेगी। दक्षिणी दिल्ली के लोगों को सोहना जाने में पहले ढाई घंटे लगते थे। अब लोग वहां तक 28 मिनट में पहुंच रहे हैं और 30 मिनट में बड़ौदा-मुंबई हाइवे टच कर जा रहे हैं। भारतमाला परियोजना के तहत डीएनडी से सोहना तक विकसित इस एक्सेस-कंट्रोल्ड हाईवे प्रोजेक्ट की कुल लंबाई 59.063 किलोमीटर है, जिसकी अनुमानित लागत 4,463 करोड़ रुपये है। यह करिडोर दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद, गुरुग्राम और सोहना को एक हाई-स्पीड, सिक्स-लेन एक्सेस-कंट्रोल्ड हाईवे के माध्यम से जोड़ेगा।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के नौ किलोमीटर बचे हिस्से का भी काम पूरा हो गया: निरीक्षण के बाद मीडिया से बातचीत में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के नौ किलोमीटर बचे हिस्से का भी काम पूरा हो गया है।

टेक्सस में टेस्ला साइबर ट्रक को जानबूझकर झील में उतारा

वेड मोड टेस्ट के दौरान गाड़ी आंशिक रूप से डूब गई

चालक जिमी जैक मैकडैनियल को ग्रेपवाइन जेल भेजा गया

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिका के टेक्सस में टेस्ला साइबर ट्रक के एक मालिक को सोमवार की रात जेल जाना पड़ा। दरअसल, मामला यह है कि उसने अपनी इलेक्ट्रिक गाड़ी को ग्रेपवाइन झील में उतार दिया था ताकि वह उसके वेड मोड फीचर को टेस्ट कर सके।

ग्रेपवाइन पुलिस के अनुसार, शाम करीब 8 बजे (स्थानीय समय) के आसपास, केटीज वुड्स बोट रैंप पर अधिकारियों और दमकलकर्मियों को बुलाया गया, क्योंकि उन्हें पानी में एक गाड़ी के होने की रिपोर्ट मिली थी। वहीं, जब टीम वहां पहुंची तो उन्हें साइबर ट्रक किनारे के पास आंशिक रूप से डूबा हुआ मिला। इस घटना को वहां मौजूद लोगों ने अपने कैमरों में कैद कर लिया। इसके साथ ही जब ट्रक डूबने लगा, तो उनमें से एक ने मजाक में कहा, आप यहां गाड़ी पार्क नहीं कर सकते। ड्राइवर ने पुलिस को बताया कि उसने जान-बूझकर ट्रक को झील में उतारा था ताकि वह वेड मोड का इस्तेमाल कर सके। यह साइबरट्रक की

ऑफ-रोड सेटिंग्स में से एक है। टेस्ला के अनुसार, इस मोड का इस्तेमाल उथले पानी में धीरे-धीरे गाड़ी चलाने के लिए किया जाता है। ग्रेपवाइन पुलिस ने एक फेसबुक पोस्ट में लिखा, पानी में गाड़ी को लेकर जाने से वह खराब हो गई और उसमें पानी भर गया। हालांकि, इस दौरान ड्राइवर और यात्री गाड़ी छोड़कर बाहर निकल आए, और ग्रेपवाइन दमकल विभाग की जल बचाव टीम ने गाड़ी को झील से बाहर निकालने में मदद की। ग्रेपवाइन जेल में बंद है ड्राइवर मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ड्राइवर की पहचान जिमी जैक मैकडैनियल के रूप में हुई है। फिलहाल उसे ग्रेपवाइन जेल में बंद कर दिया गया है। उस पर पार्क या झील के बंद हिस्से में गाड़ी चलाने, बिना वैध बोट रजिस्ट्रेशन के गाड़ी चलाने, और पानी में सुरक्षा से जुड़े कई नियमों का उल्लंघन करने जैसे आरोप लगाए गए हैं। टेस्ला की मालिक नियमावली में ड्राइवरों को चेतावनी दी गई है कि वे पानी में उतरने से पहले वहां के हालात की जांच कर लें।

मेटा ने पहले दिया वर्क फ्रॉम होम का आदेश, फिर सुबह 4 बजे 8 हजार कर्मियों को नौकरी से निकाला

सिंगापुर, एजेंसी। मेटा प्लेटफॉर्म्स ने छंटनी शुरू कर दी है, जिसका असर करीब 8,000 कर्मचारियों पर पड़ेगा। छंटनी से जुड़ा पहला संदेश उसके सिंगापुर हब से सामने आया। अमेरिका और ब्रिटेन समेत अलग-अलग इलाकों के कर्मचारियों से कहा गया कि वे दफ्तर न आएं और एक सीधा-सादा निर्देश दिया गया कि आज घर से काम करें। फिर ईमेल आने शुरू हो गए। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार, सिंगापुर में प्रभावित कर्मचारियों को स्थानीय समय के अनुसार सुबह 4 बजे (भारतीय समयानुसार 1ः30 बजे) ईमेल प्राप्त हुए। ये सूचनाएं अलग-अलग चरणों में भेजी जा रही हैं, जिन्हें टाइम जोन के हिसाब से व्यवस्थित किया गया है। यह क्रम साफ नजर आया, पहले वर्क फ्रॉम होम फिर छंटनी। इस प्रक्रिया से पहले मेटा में लगभग 78,000 कर्मचारी थे। अब, हजारों कर्मचारी बाहर हो चुके हैं तो हजारों कर्मचारियों को दूसरी जगहों पर भेजा जा रहा है। एक आंतरिक मेमो में चीफ पीपल ऑफिसर जेनेल गेल ने कहा कि 7,000 कर्मचारियों को नई एआई-नेटिव टीमों में फिर से नियुक्त किया जाएगा। लगभग 6,000 खाली पद खत्म कर दिए गए हैं। मैनेजर स्तर के लोगों को कम किया जा रहा है। गेल ने लिखा, हम अब उस स्तर पर हैं जहां कई संगठन छोटे समूहों/समूहों की एक सपाट संरचना के साथ काम कर सकते हैं जो तेजी से आगे बढ़ सकते हैं और अधिक स्वामित्व के साथ काम कर सकते हैं। इंजीनियरिंग और प्रोडक्ट टीमों पर सबसे ज्यादा असर पड़ने की उम्मीद है। इस साल के आखिर में और भी कटौतियां हो सकती हैं। टॉप लेवल पर मार्क जकरबर्ग ने एआई को कंपनी की मुख्य प्राथमिकता बनाया है। मेटा ने कहा है कि वह इस साल 125-145 बिलियन डॉलर खर्च करने की योजना बना रही है।

यह लक्ष्मण रेखा है: ईरान के परमाणु हथियारों पर अमेरिका की दो टूक

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अपना रुख बिल्कुल साफ कर दिया है। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि ईरान अब अमेरिका के साथ एक बड़ा समझौता करना चाहता है। अमेरिका ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि ईरान का परमाणु हथियार विकसित करना अमेरिका के लिए एक स्पष्ट रेड लाइन यानी लक्ष्मण रेखा है, जिसे वह किसी भी कीमत पर पार नहीं होने देगा।

अमेरिका और ईरान के बीच परमाणु हथियारों को लेकर पर्दे के पीछे एक बड़ी बातचीत चल रही है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने पत्रकारों से बात करते हुए साफ तौर पर कहा है कि अमेरिका पूरी ईमानदारी और साफ नीयत के साथ इस बातचीत को आगे बढ़ा रहा है। उनका कहना है कि ईरान भी इस बात को बहुत अच्छे से समझ गया है कि अमेरिका उसे कभी भी परमाणु बम नहीं बनाने देगा। हालांकि, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस बातचीत का असली नतीजा तभी सामने आएगा जब किसी औपचारिक समझौते पर पूरी तरह से मुहर लग जाएगी। जेडी वेंस ने कहा कि जब तक समझौते के कागजों पर हस्ताक्षर नहीं हो जाते, तब तक पक्के तौर पर कुछ भी नहीं कहा जा सकता है। यह पूरी तरह से ईरान पर निर्भर करता है कि वह इस समझौते को लेकर कितना गंभीर है।

जेडी वेंस ने ईरान को बहुत ही कड़े शब्दों में चेतावनी दी है। उनका कहना है कि अमेरिका किसी भी ऐसे समझौते को कभी स्वीकार नहीं करेगा जिससे ईरान को भविष्य में परमाणु हथियार हासिल करने की जरा सी भी छूट मिले। ट्रंप मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति हैं। इसलिए अगर जरूरत पड़ी तो वह ईरान के खिलाफ बहुत ही कड़ी और बड़ी कार्रवाई करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उपराष्ट्रपति ने यह भी चेताया कि अगर ईरान ने परमाणु बम बना लिया, तो इससे पूरी दुनिया में परमाणु हथियारों की एक बहुत ही खतरनाक अंधी दौड़ शुरू हो जाएगी। ईरान पहला ऐसा मोहरा होगा जिसके बाद दुनिया भर के देश परमाणु बम बनाने

लगेंगे, जो अमेरिका और दुनिया की सुरक्षा के लिए बहुत ही बुरा होगा।

ईरान के अंदरूनी हालात और उसके नेतृत्व पर जेडी वेंस ने क्या बड़ा दावा किया है?

बातचीत के दौरान जेडी वेंस ने ईरान के अंदरूनी हालात को लेकर भी कई गंभीर सवाल उठाए और वहां की सरकार पर तंज कसा। उन्होंने ईरान को एक 'बंटा हुआ देश' (फ्रैक्चर्ड कंट्री) बताया है। उपराष्ट्रपति ने शक जताते हुए कहा कि शायद खुद ईरान के शीर्ष नेताओं को यह ठीक से नहीं पता है कि वे असल में किस दिशा में जाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि इसी कन्फ्यूजन और भ्रम के कारण यह साफ नहीं है कि ईरान की सरकार आगे क्या फैसला लेगी। वेंस ने कहा कि वह पूरे विश्वास के साथ कुछ नहीं कह सकते क्योंकि उन्हें नहीं पता कि सामने वाले (ईरान) के दिमाग में असल में क्या चल रहा है।

अमेरिका यह पक्का करना चाहता है कि यह समझौता कोई छोटा-मोटा या सिर्फ कुछ वर्षों का न हो। जेडी वेंस ने स्पष्ट किया कि परमाणु हथियार न बनाने की प्रतिबद्धता एक बहुत लंबी प्रक्रिया होनी चाहिए। अमेरिका एक ऐसा कड़ा सिस्टम बनाना चाहता है, जिससे आने वाले कई वर्षों तक ईरान पर कड़ी नजर रखी जा सके। उनका लक्ष्य यह है कि जब मौजूदा राष्ट्रपति का कार्यकाल खत्म हो जाए, उसके बाद भी कई वर्षों तक ईरान कभी भी अपनी परमाणु क्षमता को दोबारा विकसित करने की स्थिति में न आ सके। अमेरिका चाहता है कि ईरान सिर्फ वादे न करे बल्कि इस लंबी प्रक्रिया में उनके साथ मिलकर पूरी ईमानदारी से काम भी करे। उपराष्ट्रपति के इस बयान से ठीक पहले सोमवार को एक और चौंकाने वाली घटना हुई थी। खुद राष्ट्रपति ने ऐलान किया था कि अमेरिका ने ईरान पर अपना एक 'नियोजित हमला' फिलहाल रोक दिया है। यह हमला संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब और कतर के नेताओं की अपील के बाद रोका गया था, जिन्हें तेहरान के साथ एक शांति समझौते की पूरी उम्मीद थी। इसके बाद मंगलवार को व्हाइट हाउस से एक बहुत बड़ा और नाटकीय खुलासा हुआ। राष्ट्रपति ने बताया कि अमेरिका ईरान पर एक नया सैन्य हमला करने से सिर्फ 60 मिनट की दूरी पर था। अमेरिकी नौसेना के युद्धपोत हथियारों से लैस होकर पूरी तरह से तैयार थे, लेकिन बातचीत की उम्मीद दिखने पर इस ऑपरेशन को अस्थायी रूप से रोक दिया गया।

क्या बातचीत विफल होने पर अमेरिका ईरान पर फिर से बड़ा प्रहार कर सकता है?: व्हाइट हाउस में बोलते हुए खुद राष्ट्रपति ने बहुत ही साफ शब्दों में बड़ी चेतावनी दी है। ट्रंप ने साफ कहा है कि अगर चल रहे दो महीने के इस तनाव को खत्म करने के लिए हो रही वार्ता विफल हो जाती है और कोई शांति समझौता नहीं होता है, तो अमेरिका ईरान पर 'एक और बड़ा प्रहार' कर सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने स्पष्ट किया कि वह ईरान को परमाणु समझौता करने के लिए केवल 'एक सीमित समय' दे रहे हैं। उन्होंने सख्त लहजे में चेतावनी दी है कि वाशिंगटन किसी भी हाल में तेहरान को परमाणु हथियार विकसित करने की इजाजत नहीं देगा।

संपादकीय

पेपर लीक: उच्च स्तर पर जवाबदेही तय करने की जरूरत

इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि लाखों विद्यार्थी एक भरोसे के साथ जिस परीक्षा में अपना भविष्य बेहतर बनाने के लिए बैठें, वह सिर्फ उनके हित में साबित हो, जिनकी पहुंच उसके प्रश्नपत्र तक हो। देश भर में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा यानी नीट-यूजी को सबसे अच्छे प्रबंधन के तहत संचालित करने का दावा किया जाता रहा है। मगर पिछले कुछ वर्षों में इसमें जिस स्तर की गड़बड़ियां सामने आई हैं, उसमें यह सवाल उठा है कि हर बार कार्रवाई के तौर पर कुछ औपचारिक और दिखावे के कदम उठा कर क्या परीक्षा के प्रश्नपत्र बाहर आने की घटनाओं पर काबू पाया जा सकता है?

यह इस वर्ष फिर साबित हुआ है कि पहले की घटनाओं से कोई सबक नहीं लिया गया और ऐसे जरूरी कदम नहीं उठाए गए, जिससे इस परीक्षा की पारदर्शिता और शुचिता सुनिश्चित हो। नतीजतन, इस महीने के शुरू में आयोजित नीट के प्रश्नपत्र लीक होने की खबर आई। फिर मामले के तूल पकड़ने के बाद परीक्षा को रद्द कर देना ही सबसे आखिरी उपाय माना गया, जिसकी वजह से करीब बाईस लाख विद्यार्थियों का भविष्य फिलहाल अधर में लटक गया।

सवाल है कि इस अफसोसनाक स्थिति के लिए मुख्य जिम्मेदारी किसकी बनती है। जो राष्ट्रीय परीक्षा एजंसी यानी एनटीए सबसे बेहतर व्यवस्था के तहत परीक्षाओं के आयोजन का भरोसा देती रही है, क्या नीट-यूजी में प्रश्नपत्र लीक होने सहित अन्य गड़बड़ियों की निरंतरता कायम रहने की स्थिति में अब भी वह अपनी साख और प्रतिष्ठा के बने रहने का दावा कर सकती है?

प्रश्नपत्र लीक होने के तथ्य सामने आने, उसके राजस्थान के कई कोचिंग संस्थानों में पहुंचने और मोटी रकम लेकर विद्यार्थियों को बेचने की खबरों के बाद सरकार ने मामले की विस्तृत जांच की जिम्मेदारी सीबीआइ को सौंपी। उसके बाद से अब तक कई गिरफ्तारियां हो चुकी हैं, जिसमें नीट परीक्षा प्रक्रिया से जुड़ी एनटीए की एक विशेषज्ञ भी शामिल हैं।

अगर खुद एनटीए की ओर से इतनी अहम जिम्मेदारी संभालने वाला कोई शख्स ही प्रश्नपत्र लीक करने का आरोपी हो, तो ऐसे में किसी संस्था की साख की क्या अहमियत रह जाती है?

गौरतलब है कि इस तरह की गड़बड़ियों पर काबू पाने के लिए राधाकृष्णन समिति ने अपनी रिपोर्ट में एनटीए में ढांचागत सुधार की सिफारिश की थी। इसके अलावा, संसद में परीक्षाओं के संदर्भ में संगठित तौर पर पेपर लीक जैसी किसी गड़बड़ी के लिए दस वर्ष की कैद के प्रावधान वाला कानून पारित किया गया। साथ ही अन्य सभी कमियों को दुरुस्त करने के मद्देनजर कृत्रिम बुद्धिमत्ता वाले सीसीटीवी कैमरों सहित आधुनिक तकनीक से लैस बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई।इस सबके बावजूद अगर नीट-यूजी का प्रश्नपत्र लीक हो जाता है और यहां तक कि परीक्षा रद्द करने की नौबत आती है, तो यह किसकी नाकामी है? अब तक जो गिरफ्तारियां हुई हैं, क्या इस व्यापक गड़बड़ी का दायरा वैसे ही निचले स्तर के आरोपियों तक सिमटा हुआ है? ऐसा नहीं है कि नीट परीक्षा के आयोजन में यह कोई पहला मामला सामने आया है।इससे पहले भी कई बार अलग-अलग तरह की अनियमितताओं की खबरें आती रही हैं। सच यह है कि परीक्षा में प्रश्नपत्र लीक होने के इस रोग को खत्म करने के लिए उच्च स्तर पर जवाबदेही तय करने की जरूरत है। वरना पारदर्शिता के अभाव में वैसे लाखों बच्चों का भविष्य बाधित होगा, जो अपनी मेहनत के बूते परीक्षा में बैठते हैं।

तरणतालों में सुरक्षा मानकों को लेकर लापरवाही बदस्तूर

देश के महानगरों से लेकर छोटे कस्बों में जगह-जगह तरणताल बनाए जा रहे हैं, लेकिन वहां सुरक्षा मानकों को लेकर कोई गंभीरता नजर नहीं आती है। न तो इन परिसरों में प्रबंधन स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था की स्थिति पर ध्यान दिया जाता है और न ही शासन-प्रशासन की ओर से जांच एवं निगरानी की जरूरत महसूस की जाती है। इसी लापरवाही के कारण कई बार तैराकी के शौकीन बच्चों और युवाओं की भी जान चली जाती है। ऐसी ही एक घटना राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में वजीराबाद के जगतपुरी इलाके में सामने आई, जहां रविवार सुबह एक तरणताल में दस साल के बच्चे की डूबने से मौत हो गई। पुलिस जांच में सामने आया कि यह तरणताल बिना किसी अनुमति के व्यावसायिक तौर पर संचालित किया जा रहा था। यहां न तो किसी विशेषज्ञ तैराक की तैनाती की गई थी और न ही आपात स्थिति के लिए सुरक्षा के माकूल प्रबंध किए गए थे। इसे लापरवाही नहीं तो और क्या कहा जाएगा कि जो जांच-पड़ताल पहले की जानी चाहिए थी, वह बच्चे की मौत के बाद शुरू की गई। सवाल है कि सुरक्षा मानदंडों का इस तरह से खुला उल्लंघन आखिर कैसे हो रहा है? क्या प्रशासनिक निगरानी एवं जांच तंत्र इतना कमजोर है कि कोई बिना अनुमति के ऐसी व्यावसायिक गतिविधियां संचालित कर सकता है, जिसमें किसी की जान जाने का जोखिम हो? तरणताल में डूबने से मौत की घटनाएं अक्सर सामने आती रहती हैं। उत्तर प्रदेश में कौशांबी के मंझनपुर में भी रविवार को तरणताल में नहाते समय एक युवक की डूबने से मौत हो गई। इसी तरह पिछले सप्ताह हरियाणा के जींद जिले में भी तरणताल में एक युवक की जान चली गई थी।इन तीनों घटनाओं की जांच में यह बात निकलकर सामने आई है कि वहां सुरक्षा व्यवस्था में लापरवाही बरती गई। यही नहीं, दिल्ली के जगतपुरी में तो तरणताल बिना अनुमति के संचालित किया जा रहा था। जाहिर है, यह सब अधिकारियों की मिलीभगत से ही संभव हो सकता है। सरकार को ऐसे मामलों में नियमों को कड़ाई से लागू करने के साथ ही संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही भी तय करनी चाहिए, ताकि बच्चों और युवाओं की जान के साथ खिलवाड़ न हो।

आज का कार्टून

बढ़ती गर्मी और तपते गांव-शहर...

देश के करीब अस्सी करोड़ लोग पांच किलो गेहूं-चावल से ही जीवनयापन कर रहे हैं। मगर जब धान ही नहीं होगा, तो चावल कहां से आएगा? ज्वार, बाजरा और मक्का पहले ही सूखे जा रहे हैं। पूरी खरीफ फसल संकट में है, लेकिन किसानों के अलावा इसकी किसी को चिंता नहीं है। बंगाल की खाड़ी से आने वाले मानसून का कोई ठिकाना नहीं होता। ऐसा बताया जा रहा कि अल नीनो और सुपर अल नीनो के प्रभाव से भारत में 30 अगस्त तक कम बारिश होगी। सूखे की स्थिति बन सकती है। इसलिए समय रहते सरकार को संभावित सूखे और अकाल को लेकर योजनाएं बनानी होंगी। भारतीय कृषि तो सदियों से मानसून पर निर्भर रही है। ग्लासगो में हुए सम्मेलन में भारत ने 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने पर प्रतिबद्धता जताई थी। मगर स्थिति तो अभी से खराब हो चुकी है। तब तक तो हालात बहुत खराब हो जाएंगे। दरअसल, सड़क पर चलने वाले पेट्रोल और डीजल के वाहन बहुत अधिक प्रदूषण फैलाते हैं। ध्वनि प्रदूषण भी खूब होता है।

शिवचरण चौहान

गर्मी इस बार कहर बरपा रही है। यह पिछले कई वर्षों की अपेक्षा अधिक है। कुछ राज्यों में आंधी-पानी और ओले गिरने के कारण तापमान में कुछ गिरावट आई थी, लेकिन अब सूरज फिर आग बरसाने लगा है। दिन में लू चल रही है और रात में भी लोग गर्मी से बेहाल हैं। पारा 46 डिग्री पार कर रहा है।

भारतीय मौसम विभाग ने जून तक के मौसम का जो पूर्वानुमान जारी किया है, उसके अनुसार पूर्वी मध्य, उत्तर-पश्चिम भारत और दक्षिण पूर्वी प्रायद्वीप में इस बार अधिक गर्मी पड़ेगी। इस वर्ष गर्मी 2001 का रेकार्ड तोड़ सकती है। पहाड़ों में बारिश होगी और मैदानों में लू चलेगी। रात में भी लू चलने की संभावना जताई गई है।

मई में यह हाल है, तो जून में पारा और ऊपर जा सकता है। ऐसी आशंका वैज्ञानिक व्यक्त कर रहे हैं। ऐसे में बिना किसी बचाव के घर से निकलना खतरे से खाली नहीं है। दिल्ली में कुछ उपाय किए गए हैं जो पर्याप्त नहीं हैं।

वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि 2026 में भीषण गर्मी पड़ेगी। अल नीनो और सुपर अल नीनो के कारण 31 जुलाई के बाद तक पूरी दुनिया में बहुत अधिक गर्मी पड़ेगी। प्रशांत महासागर का जल और उसकी सतह का जल दोनों गर्म हो रहे हैं। इसी कारण इस साल दुनिया भर में गर्मी बढ़ेगी और सूखे की स्थिति उत्पन्न होगी।

मानसून में हल्की बारिश का अंदेशा है। किसानों को सूखे की समस्या का सामना करना पड़ सकता है। इससे फसलों की पैदावार पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा। प्रशांत महासागर की सतह के जल का दो डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान बढ़ने की स्थिति को सुपर अल नीनो कहा जाता है। यही पूरी दुनिया में गर्मी के कारण बेचैनी पैदा करेगा। दूसरी ओर अमेरिका, ईरान, रूस, यूक्रेन और इजराइल-लेबनान युद्ध में इतना ज्यादा बारूद का इस्तेमाल किया गया है कि धरती से लेकर आसमान तक कांप उठा है।

भारत में गर्म हवाएं लोगों को बेहाल कर रही हैं। कई जिलों में लू चल रही है। राजस्थान से लेकर उत्तर प्रदेश तक मध्य मई में ही पारा 45 से 46 डिग्री तक पहुंच गया। रात का पारा भी ऊपर जा रहा है। कोयले की कमी के कारण बिजली का उत्पादन कम हो रहा है। ऐसी स्थिति में बिजली कटौती का असर राजस्थान और उत्तर प्रदेश में अधिक दिखेगा। अत्यधिक कार्बन उत्सर्जन और वनों की कटाई के कारण गर्मी और भयावह होती जाएगी।

वैज्ञानिक चेतावनी दे रहे हैं कि दुनिया की जलवायु खराब हो गई है। भूमिगत जल सूख रहा है। यह इतना गंदा हो गया है कि पीने लायक नहीं है। गांवों और शहरों की हवा विषैली हो गई है। गंगा और यमुना सहित सभी नदियां खतरनाक स्तर पर दूषित हो गई हैं। कभी इन नदियों का पानी पीने के काम आता था। आज इनका जल आचमन के लायक भी नहीं बचा।

कृषि विभाग ने कहा है कि उत्तर प्रदेश के 67 जिले गर्मी की चपेट में आ गए हैं। राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा, मध्य प्रदेश, पंजाब और दिल्ली इस समय भयंकर गर्मी की चपेट में हैं। यमुना सूख रही है। मौसम विभाग की सारी घोषणाएं धरी रह जा रही हैं। सच यह है कि मनुष्य जिस तरह से प्रकृति का विनाश करने पर तुला है, यह धरती के लिए शुभ संकेत नहीं है।

कनाडा जैसे ठंडे देश में पारा ऊपर जा रहा है। तालाबों-झीलों और यहां तक कि समुद्र तक का पानी गरम हो रहा है। भूजल स्तर इतना नीचे चला गया है कि जल संकट गहराने का अंदेशा है। यह हाल कमोबेश पूरे भारत में है। पहले तालाब और झील गांव-गांव में होते थे। इससे भूजल संतुलन बना रहता था। बरसात का पानी गांवों के तालाबों में भर जाता था। इससे जमीन के नीचे पानी की कमी नहीं होती थी। सरकार की गलत नीतियों के कारण घर-घर पंप लग जाने के कारण भूजल समाप्त होने की स्थिति में है। वैज्ञानिकों ने आधे से ज्यादा भारत को भूजल रहित क्षेत्र घोषित किया हुआ है, लेकिन फिर भी इस संकट को कोई भी गंभीरता से नहीं ले रहा। पहले लोग गांवों में तालाब और झील खुदवाते थे। कुएं और बावड़ी बनवाते थे। आज लोगों ने तालाबों और झीलों को पाट कर वहीं पर अपने घर बना लिए हैं। नदियों को संकरा कर दिया है। दूसरी ओर, आसमान से आग बरस रही है। अगर ऐसी ही गर्मी लगातार पड़ती रही, तो जीवन जीना मुश्किल हो जाएगा। हालात अनियंत्रित हो जाएंगे।

यह संकट अचानक नहीं आया है। हम इतने विकासशील हो गए हैं कि अपना भला-बुरा भूल गए और पर्यावरण को अकल्पनीय क्षति पहुंचाई। कार्बन गैसों का इतना उत्सर्जन किया कि इसका जलवायु पर प्रतिकूल असर पड़ा है। भीषण गर्मी और अकाल के जोखिम को देख कर भी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।

गौरतलब है कि खाड़ी युद्ध के कारण पिछले दिनों डीजल और पेट्रोल के दाम बढ़ा दिए गए। रसोई गैस से लेकर सीएनजी तक महंगी हो गई है। बिजली की दरें पहले से महंगी हैं। इस साल खेती की लागत बहुत ज्यादा बढ़ने वाली है, क्योंकि डीजल पहले से बहुत महंगा हो चुका है। रासायनिक खाद के दाम बेतहाशा बढ़ गए हैं। अब प्राकृतिक खाद से काम चलाने की नसीहत दी जा रही है। क्या उससे भारी मात्रा में फसल हो पाएगी?

देश के करीब अस्सी करोड़ लोग पांच किलो गेहूं-चावल से ही जीवनयापन कर रहे हैं। मगर जब धान ही नहीं होगा, तो चावल कहां से आएगा? ज्वार, बाजरा और मक्का पहले ही सूखे जा रहे हैं। पूरी खरीफ फसल संकट में है, लेकिन किसानों के अलावा इसकी किसी को चिंता नहीं है।

बंगाल की खाड़ी से आने वाले मानसून का कोई ठिकाना नहीं होता। ऐसा बताया जा रहा कि अल नीनो और सुपर अल नीनो के प्रभाव से भारत में 30 अगस्त तक कम बारिश होगी। सूखे की स्थिति बन सकती है। इसलिए समय रहते सरकार को संभावित सूखे और अकाल को लेकर योजनाएं बनानी होंगी। भारतीय कृषि तो सदियों से मानसून पर निर्भर रही है।

ग्लासगो में हुए सम्मेलन में भारत ने 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने पर प्रतिबद्धता जताई थी। मगर स्थिति तो अभी से खराब हो चुकी है। तब तक तो हालात बहुत खराब हो जाएंगे। दरअसल, सड़क पर चलने वाले पेट्रोल और डीजल के वाहन बहुत अधिक प्रदूषण फैलाते हैं। ध्वनि प्रदूषण भी खूब होता है। वाहनों से निकलने वाले धुएं के कारण भारत के अधिकांश शहरों की वायु प्रदूषित हो गई है। इस कारण तपेदिक, कैंसर और अस्थमा जैसी बीमारियां होने लगी हैं।

अब यह सिर्फ सरकार की ही जिम्मेदारी नहीं है, आम नागरिकों की भी जिम्मेदारी है कि वह जलवायु सुधार के लिए वह खुद भी पहल करे। पेट्रोल-डीजल वाले वाहनों का उपयोग कम करे। जल का अंधाधुंध दोहन न करे। जलवायु संकट आसानी से दूर होने वाला नहीं है। इसके लिए सभी को मिलजुल कर प्रयास करने होंगे। अभी नहीं चेते, तो फिर बहुत देर हो जाएगी।

कब तक होगा परीक्षार्थियों के भविष्य से खिलवाड़?

लीक प्रश्नों पर सबसे पहले एनटीए की ओर से सफाई दी गई कि प्रश्न प्रिंटिंग प्रेस से लीक हुए। जबकि, सभी जानते हैं कि जहां पेपरों की छपाई होती है जहां परिंदा भी पर नहीं मार सकता। बेहद गुप्त स्थान होता है और वहां के कर्मचारियों को फोन तक रखने की इजाजत नहीं होती। ऐसे में प्रिंटिंग प्रेस से प्रश्नों के लीक होने का सवाल ही नहीं उठता। इस कांड में पूरा का पूरा सिंडिकेट शामिल होता है। समय का तकाजा है ऐसी विधि केंद्रीय लेबल पर बननी चाहिए, ताकि छात्रों के जीवन से कोई खिलवाड़ न कर पाए। केंद्र सरकार को आगे आकर हस्तक्षेप करना चाहिए। क्योंकि मौजूदा कांड में हुकूमत की चुप्पी सभी को अखर रही है।

डॉ. रमेश ठाकुर

‘नीट प्रश्नपत्र लीक’ मामले में गिरफ्तारियों की धरपकड़ जारी है। पड़ताल का जिम्मा सीबीआई को सौंपा गया है। राजस्थान से कुछ आरोपी गिरफ्तार हुए हैं। लेकिन जो आरोपी पकड़े गए हैं वह सियासत से संबंध रखते हैं। पुलिस अभिरक्षा में उनका सार्वजनिक रूप से मीडिया के कैमरों पर बोलना कि वह तो मौहरे मात्र हैं। खिलाड़ी तो कोई और ही हैं वह बड़े-बड़े स्तर के? आरोपियों के मुख से निकले ये शब्द निश्चित रूप से निष्पक्ष जांच की उम्मीदों पर ग्रहण लगाने के लिए प्याप्त हैं। यहीं से मुकम्मल जांच की उम्मीदें टूटती दिखाई पड़ती हैं। साढ़े 22 लाख परीक्षार्थियों के भविष्य के साथ हुआ इतना बड़ा खिलवाड़ भी क्या एक कहानी बनकर सरकारी फाइलों में सिमट जाएगा? करोड़ों लोग नीट परीक्षा लीक कांड की जांच को अब धूमिल होते देख रहे हैं। तसल्ली उन अभिभावकों को भी कर लेनी चाहिए,जो न्याय की उम्मीद लिए बैठे हैं। निष्पिक्ष जांच-पड़ताल की आस अब इसलिए भी नहीं की जा सकती। क्योंकि पूरा सिस्टम जांच छोड़कर, बड़ी मछलियों को बचाने में ही जुटेगा। ऐसा इस बार नहीं, पिछले तकरीबन सभी पेपर लीक कांड़ों में हुआ। नीट दाखिला परीक्षा है, भर्ती की पूरी की पूरी परीक्षा भारत में लीक होने लगी हैं। बावजूद

इसके केंद्रीय हुकूमत कोई ऐसा उपाय नहीं कर पा रही जिससे परीक्षार्थियों के भविष्य के साथ किया जाने वाला खिलवाड़ रूक सके।

पिछले 7 वर्षों में यानी 2019 से लेकर 2026 मई तक, भारत में विभिन्न स्तरीय प्रतियोगी लगभग 70 परीक्षाओं के पेपर लीक हुए। आज तक किसी मामले की जांच न पूरी हुई और ना किसी मामले में न्याय हुआ। प्रत्येक मामलों में छोटे स्तर के कर्मचारी ही पकड़े गए जिन्हें कुछ महीनों बाद या एकाध वर्षों में जमानत मिल गई। सबसे पहले दाखिला परीक्षा कराने वाली एनटीए को उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त कर देना चाहिए। एनटीए का कार्य इसलिए भी अब संतोषजनक नहीं, क्योंकि वह पुराने तौर-तरीकों को अभी भी अपनाती है।अपने सिस्टम को रिफॉर्म भी नहीं करती। विश्व की प्रतिष्ठित भरोसेमंद परीक्षाओं से भी कुछ नहीं सीखती। इंटरनेट-कंप्यूटर के जमाने में भी प्रश्न पत्र मुद्रित करके परीक्षा केंद्रों पर पहुंचाने में विश्वास करती है।अगर ऐसा ही करना है तो प्रश्पपत्रों के सेट बदले हुए और अलग-अलग होने चाहिए ताकि किसी तरह की गड़बड़ी की संभावनाएं न हो। अगर खुदा ना खास्ता कुछ हो भी, तो पूरी परीक्षा रद ना की जाए, सिर्फ उसी सेंटर पर दोबारा परीक्षा करवाई जाए, जहां कुछ गड़बड़ी हुई हो? अगर ऐसे आधुनिक तरीके अपनाए जाते तो परीक्षार्थियों के साथ खिलवाड़ न होता। केंद्र से लेकर राज्य सरकारें भी अच्छे से जानती हैं कि भारत में आयोजित होने वाली हर चौथी प्रतियोगी परीक्षा का पेपर का लीक होता है जिसमें पुलिस भर्ती और शिक्षा परीक्षाएं कुख्यात हैं। जबकि, नीट परीक्षा नौकरी या भर्ती की परीक्षा नहीं होती, मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए आयोजित होती है उसमें भी सेंधमारी, हद है? गौरतलब है अगर पूर्ववर्ती पेपर लीक मामलों में सख्ती और स्वतंत्र-निष्पक्ष जांच हुई होती और आरोपियों के नाम सार्वजनिक किए गए होते और सजा के तौर पर उम्रकैद या मोटा हर्जाना वसूला गया होता, तो ऐसे कांड करने वाले भय खाते, डरते। भविष्य में गड़बड़ी करने से तौबा भी करते? लेकिन लचीला कानून-प्रशासन का उदार रवैया और कमजोर सजा-जुर्माने से आरोपी तनिक भी नहीं डरते। एक कांड करते हैं दूसरे की तैयारी में लगे होते हैं। फिलहाल मौजूदा नीट पेपर कांड पहला दोष तो परीक्षा कराने वाली संस्था ‘नेशनल टेस्टिंग एजेंसी’ यानी एनटीए का ही है। मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश की पात्रता परीक्षा नीट के सवाल लीक होने से पूरी परीक्षा रद्द करने की मजबूरी जितनी शर्मनाक है, उतनी ही चिंताजनक।

एनटीए का गठन 2017 में हुआ, तब से लेकर आज तक इस संस्था की विश्वसनीयता सवालों के घेरे में रही। 5 मई 2024 को भी जब इसी नीट परीक्षा में गडबड़झाला हुआ और मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था। तब संस्था ने भविष्य में इस तरह की गलती दोबारा न करने का आश्वासन न सिर्फ अदालत को दिया था बल्कि केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को भी भरोषा दिया था? पर, बेशर्मी देखिए मात्र 24 महीनों बाद भी उससे पहले से भी बड़ा कांड़ कर दिया। पिछली दफा इन्होंने कई छात्रों को पूरे-पूरे 720 नंबर दे डाले थे,जबकि वो सभी छात्र पढ़ने में सामान्य थे उनके मुकाबले टॉपरों को उनसे कहीं कम नंबर दिए गए थे। इस बार तो उससे भी बड़ा ब्लंडर हुआ। पेपर लीक की सूचना सबसे पहले राजस्थान से बाहर निकली। जहां, कई छात्रों के पास 140 से अधिक परीक्षा के मूल प्रश्नों से हूबहू प्रश्न गेस पेपरों में मिले।

लीक प्रश्नों पर सबसे पहले एनटीए की ओर से सफाई दी गई कि प्रश्न प्रिंटिंग प्रेस से लीक हुए। जबकि, सभी जानते हैं कि जहां पेपरों की छपाई होती है जहां परिंदा भी पर नहीं मार सकता। बेहद गुप्त स्थान होता है और वहां के कर्मचारियों को फोन तक रखने की इजाजत नहीं होती। ऐसे में प्रिंटिंग प्रेस से प्रश्नों के लीक होने का सवाल ही नहीं उठता। इस कांड में पूरा का पूरा सिंडिकेट शामिल होता है। समय का तकाजा है ऐसी विधि केंद्रीय लेबल पर बननी चाहिए, ताकि छात्रों के जीवन से कोई खिलवाड़ न कर पाए। केंद्र सरकार को आगे आकर हस्तक्षेप करना चाहिए। क्योंकि मौजूदा कांड में हुकूमत की चुप्पी सभी को अखर रही है। ऐसी घटनाओं के घट जाने के बाद छात्र सिर्फ सरकार से ही न्याय की उम्मीद करते हैं। उनकी उम्मीदें नहीं टूटनी चाहिए।

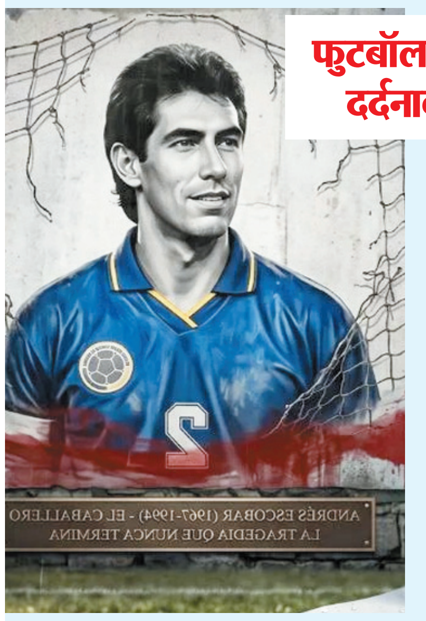

फुटबॉल इतिहास की दर्दनाक कहानी

आत्मघाती गोल और मौत का 'फरमान'

जिसे दुनिया ने 'जेंटलमैन' माना, लेकिन देश बचा नहीं पाया

नई दिल्ली। आंद्रेस एस्कोबार को दुनिया फुटबॉल के सबसे सभ्य और शांत खिलाड़ियों में गिनती थी। मैदान पर ईमानदारी से खेलने और अच्छे व्यवहार की वजह से उन्हें 'द जेंटलमैन' कहा जाता था। हालांकि, 1994 FIFA World Cup (फीफा विश्व कप) में एक गलती के कारण उन्हें अपनी जान गंवानी पड़ी। फीफा विश्व कप में आत्मघाती गोल कथित तौर पर उनकी मौत का कारण बना। अमेरिका के खिलाफ मैच में हुई उस गलती के बाद कोलंबिया वर्ल्ड कप से बाहर हो गया और सिर्फ पांच दिन बाद एस्कोबार की गोली मारकर हत्या कर दी गई। माना गया कि यह हत्या उसी 'आत्मघाती गोल' और उससे जुड़े सट्टे में हुए नुकसान का बदला थी। फुटबॉल इतिहास की यह घटना आज भी दुनिया की सबसे दर्दनाक खेल घटनाओं में गिनी जाती है।

सामान्य परिवार से निकला फुटबॉल का 'जेंटलमैन'

आंद्रेस एस्कोबार का जन्म 13 मार्च 1967 को कोलंबिया के मेडेलिन शहर में हुआ था। वह एक सामान्य परिवार में पले-बढ़े। स्कूल के दिनों से ही वह फुटबॉल खेलते थे और बाद में यही उनका करियर बन गया। उनके पिता डारियो एस्कोबार बैंकर थे। डारियो एस्कोबार ने एक ऐसा संगठन बनाया था, जो युवाओं को सड़कों पर भटकने के बजाय फुटबॉल खेलने का मौका देता था। उनके भाई सैंटियागो एस्कोबार भी फुटबॉलर रहे। बाद में वह टीम मैनेजमेंट में चले गए।

वर्ल्डकप से लौटने के पांच दिन बाद हत्या

वर्ल्ड कप से बाहर होने के बाद आंद्रेस एस्कोबार ने लास वेगास में अपने रिश्तेदारों से मिलने के बजाय कोलंबिया लौटने का फैसला किया। एक जुलाई 1994 की रात वह अपने दोस्तों के साथ इलाके के एक बार में गए। बाद में वह एक शराब की दुकान और फिर एक नाइटक्लब पहुंचे। कुछ समय बाद उनके दोस्त अलग हो गए। सुबह करीब 3 बजे आंद्रेस एस्कोबार नाइटक्लब के पार्किंग एरिया में अपनी कार के पास पहुंचे थे। आंद्रेस एस्कोबार वहां अकेले थे, तभी तीन लोग वहां पहुंचे और उनसे बहस करने लगे। दो लोगों ने पिस्तौल निकाल ली। आंद्रेस एस्कोबार को 0.38 कैलिबर की पिस्तौल से छह गोलियां मारी गईं।

- **वह आत्मघाती गोल जिसने सब कुछ बदल दिया–** 1994 फीफा वर्ल्ड कप में कोलंबिया का दूसरा ग्रुप मैच मेजबान अमेरिका के खिलाफ था। इसी मुकाबले में आंद्रेस एस्कोबार से वह आत्मघाती गोल हुआ, जो बाद में उनकी जिंदगी की सबसे बड़ी त्रासदी बन गया। अमेरिकी मिडफील्डर जॉन हार्क्स के क्रॉस को रोकने की कोशिश में आंद्रेस एस्कोबार ने गेंद को गलती से अपने ही गोलपोस्ट में पहुंचा दिया।

सूर्यवंशी का धमाका

- **245 गेंद, 579 रन, 50 चौके, 53 छक्के, LSG के खिलाफ 93 रन ठोक 5 बड़े रिकॉर्ड किए अपने नाम**

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स के ओपनर और 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का बल्ला अब थमने का नाम नहीं ले रहा है। मंगलवार (19 मई) को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 38 गेंद पर 93 रन की धांसू पारी खेलते हुए इस खिलाड़ी ने एक से बढ़कर एक दिग्गजों के रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। इसी के साथ उन्होंने आईपीएल 2026 में अपने 500 रन पूरे किए और 50 छक्कों का आंकड़ा भी पार कर दिया। इस पारी में वैभव ने एक वर्ल्ड रिकॉर्ड समेत 5 बड़े रिकॉर्ड बनाए। वैभव सूर्यवंशी आईपीएल 2026 में अभी तक 13 मैचों की 13 पारियों में 245 गेंद खेलते हुए 579 रन ठोक दिए हैं। इसमें उनके 50 चौके और 53 छक्के शामिल हैं। वैभव का मौजूदा सीजन में औसत 44.54 और स्ट्राइक रेट 236.33 का रहा है। उन्होंने ऑरेंज कैप पर भी अपना कब्जा जमा लिया है।

वैभव सूर्यवंशी के नाम एक वर्ल्ड रिकॉर्ड– वैभव सूर्यवंशी दुनिया के किसी भी टी20 टूर्नामेंट में अब 500 प्लस रन बनाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड देवदत्त पडिक्कल के नाम था जिन्होंने 2019–20 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में कर्नाटक की तरफ से 19 साल की उम्र में 580 रन बनाए थे। जबकि वैभव ने 15 साल की उम्र में ही मौजूदा आईपीएल 2026 में 579 रन अपने नाम कर लिए हैं।

IPL में 500 रन बनाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज– साथ ही वैभव सूर्यवंशी आईपीएल में भी सबसे युवा 500 रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। इससे पहले ऋषभ पंत ने 2018 आईपीएल में दिल्ली के लिए 20 साल की उम्र में 684 रन बनाए थे। वैभव के नाम 15 साल में ही 579 रन एक सीजन हो चुके हैं और मैच अभी बाकी हैं।

50 छक्के लगाने वाले सबसे युवा बल्लेबाज और पहले भारतीय– वैभव सूर्यवंशी आईपीएल सीजन में 50 छक्के पूरे करने वाले पहले भारतीय और सबसे युवा बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने पिछली पारी में ही अभिषेक शर्मा को पीछे छोड़ा था। अब उनके निशाने पर एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का क्रिस गेल (59) का रिकॉर्ड है। 2012 से यह रिकॉर्ड अटूट है।

'किस्मत खराब रही'

रन आउट होकर शतक का मौका चूकने पर बोले मिशेल मार्श

जयपुर। आईपीएल 2026 में सवाई मानसिंह स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) और लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के बीच हुए मुकाबले में मिशेल मार्श ने एक बार फिर अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी का नजारा पेश करते हुए फैंस को रोमांचित कर दिया। हालांकि मार्श के लिए दुर्भाग्यपूर्ण यह रहा कि लगातार दूसरे मैच में वह शतक पूरा करने का मौका चूक गए। एलएसजी की बल्लेबाजी के बाद पारी की चुनौतियों पर मार्श ने कहा, 'मुझे लगा कि उन्होंने आखिर में अच्छी गेंदबाजी की। हम शायद एक, दो या तीन और बाउंड्री नहीं लगा पाए। अगर ऐसा होता तो हम सचमुच बहुत खुश होते, लेकिन इसका श्रेय उन्हें जाता है, उन्होंने अच्छी वापसी की और सचमुच बहुत अच्छी गेंदबाजी की।' जोश इंग्लिस के साथ अपनी साझेदारी पर मार्श ने कहा, 'हमने पिछले पांच सालों में खेल को बदलते देखा है। पांच साल पहले, 220 रन बनाकर आप काफी आत्मविश्वास के साथ मैदान से बाहर निकलते थे। फिलहाल ऐसा संभव नहीं है। हमें अच्छी गेंदबाजी करनी होगी और अपनी योजनाओं को बहुत अच्छे से लागू करना होगा।

वनडे टीम से पांच बाहर;, रोहित-हार्दिक के खेलने पर भी संशय

टीम इंडिया में 4 नए खिलाड़ियों की एंट्री

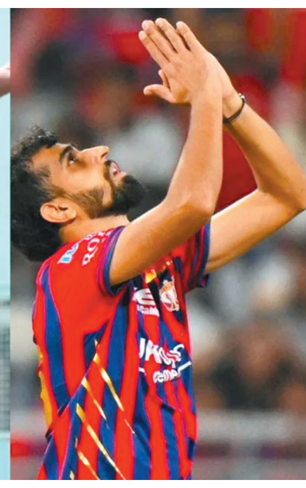

नई दिल्ली। भारतीय टीम 6 जून से अफगानिस्तान के खिलाफ न्यू चंडीगढ़ में एकमात्र टेस्ट मैच खेलेगी। उसके बाद 14 जून से तीन वनडे मैचों की सीरीज भी टीम इंडिया अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू सरजमीं पर खेलने उतरेगी। इन दोनों सीरीज के लिए 19 मई (मंगलवार) को टीम इंडिया का ऐलान किया गया है। वनडे और टेस्ट दोनों टीमों की कमान शुभमन गिल संभालेंगे। जबकि चार नए चेहरे इन दोनों सीरीज में नजर आने वाले हैं।

वनडे से 5 खिलाड़ियों की छुट्टी

भारत ने पिछली वनडे सीरीज आईपीएल और टी20 वर्ल्ड कप से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली थी। उस सीरीज में शामिल यशस्वी जायसवाल, रविंद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, ऋषभ पंत और चोटिल हर्षित राणा बाहर हो गए हैं। इशान किशन की बतौर सेकंड विकेटकीपर टीम में वापसी हुई है। प्रिंस यादव, गुरनूर बरार और हर्ष दुबे का पहली बार भारत की वनडे टीम में चयन हुआ है।

हार्दिक पंड्या अभी भी रिकवरी पर हैं

रोहित शर्मा और हार्दिक पंड्या का भारत की वनडे टीम में चयन हुआ है। मगर दोनों खिलाड़ियों को सब्जेक्ट टू फिटनेस टीम में जगह मिली है, यानी वे दोनों अगर फिट हुए तो ही प्लेइंग 11 में खेल पाएंगे। आईपीएल 2026 में दोनों को इंजरी से जूझते देखा गया है। रोहित वापसी कर चुके हैं लेकिन बतौर इम्पैक्ट प्लेयर खेल रहे हैं। जबकि हार्दिक पंड्या अभी भी रिकवरी पर हैं।

कौन से 4 नए खिलाड़ी शामिल

भारतीय टेस्ट टीम में जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज को आराम दिया गया है। इसके चलते मानव सुतार और गुरनूर बराड़ को टेस्ट टीम में जगह मिली है। जबकि अक्षर पटेल और रविंद्र जडेजा भी टीम का हिस्सा नहीं हैं। उनकी जगह कुलदीप यादव बतौर सीनियर स्पिनर हैं और हर्ष दुबे का पहली बार भारतीय टीम में चयन हुआ है। वनडे टीम में भी गुरनूर और हर्ष शामिल हैं, प्रिंस यादव नए चेहरे के रूप में वनडे टीम में नजर आएंगे।

किशन की वनडे टीम में वापसी

950 दिन पहले अफगानिस्तान के खिलाफ ही खेला था अंतिम मैच

नई दिल्ली। इशान किशन की पहले टी20 टीम में वर्ल्ड कप से पहले वापसी हुई। अब जब तैयारी शुरू होनी है वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तो उनका अब एकदिवसीय स्क्वाड में भी चयन हो गया है। इशान ने अपना आखिरी वनडे मैच 11 अक्टूबर 2023 को वनडे वर्ल्ड कप में ही अफगानिस्तान के खिलाफ खेला था। अब ठीक 950 दिन बाद ही उनका फिर से भारतीय वनडे टीम में चयन हो गया है। इशान किशन को टीम में बतौर सेकंड विकेटकीपर और बतौर बैकअप ओपनर शामिल किया गया है। रोहित शर्मा की फिटनेस के आधार पर उनका सेलेक्शन हुआ है। अगर रोहित फिट नहीं होते हैं तो उनका प्लेइंग 11 में खेलने पर संशय है।

इशान किशन का वनडे रिकॉर्ड

इशान किशन को भारत के 2023 वनडे वर्ल्ड कप के स्क्वाड में भी बतौर बैकअप ओपनर शामिल किया गया था। उन्होंने डेंगू से पीड़ित शुभमन गिल की जगह पहले दो मैच भी खेले थे। आखिरी बार वह वनडे टीम में अफगानिस्तान के खिलाफ ही नजर आए थे। इशान ने भारत के लिए अभी तक 27 वनडे इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं। इशान के नाम 27 वनडे मैचों की 24 पारियों में 42.40 की औसत और 102.19 के स्ट्राइक रेट से 933 रन दर्ज हैं। उन्होंने वनडे में सात अर्धशतक और एकमात्र शतक लगाया है जो उनकी इस फॉर्मेट में एकमात्र डबल सेंचुरी भी था। किशन ने बांग्लादेश के खिलाफ 210 रनों की बेहतरीन पारी खेली थी। उसके बाद से वह सिर्फ दो वनडे मैच ही खेले थे और अब तकरीबन तीन साल बाद वह फिर से वनडे टीम का हिस्सा बन चुके हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ भारत का स्क्वाड

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल, इशान किशन, हार्दिक पंड्या, नितीश रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर बरार, हर्ष दुबे।

मानव सुतार-हर्ष दुबे के चयन से मिल गए संकेत

जडेजा की विदाई की तैयारी शुरू

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मानव सुतार और हर्ष दुबे का चयन इस बात का संकेत है कि भारतीय टीम ने रविंद्र जडेजा की विदाई की तैयारी शुरू कर दी है। जडेजा का टेस्ट में प्रदर्शन अच्छा रहा है, लेकिन वह 37 साल के हो गए हैं। स्पिन विभाग में भारतीय टीम लाइक टू लाइक रिप्लेसमेंट की तलाश में है। इसके संकेत दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को लेकर देखने को मिला था। भारतीय टीम मैनेजमेंट ने जब अश्विन से आगे बढ़ने का फैसला किया तो टीम में वाशिंगटन सुंदर की एंट्री हुई। हालांकि दोनों ऑफ-स्पिनर एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं, लेकिन गंभीर को वाशिंगटन में भरोसेमंद ऑलराउंडर दिखा, जिस पर किसी भी परिस्थिति में भरोसा जताया जा सकता है। सुतार और दुबे को टीम में शामिल करके जडेजा का विकल्प तैयार करने की योजना है।

अजीत अगरकर ने क्या कहा?

भारतीय टीम के ऐलान के दौरान मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने कहा, 'टेस्ट टीम में आप देख सकते हैं कि इस समय बहुत बदलाव हो रहे हैं। इसलिए हम विकल्प देख रहे हैं। कुछ खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेट से दूर चले गए हैं। वनडे क्रिकेट में भी यही बात है। आप ऐसे खिलाड़ी चाहते हैं जो निचले क्रम में बल्ले से योगदान दे सकें, लेकिन उनमें फ्रंटलाइन स्पिनर या फ्रंटलाइन सीम बॉलर बनने के लिए जरूरी स्किल भी हो। हमें लगता है कि वह (दुबे) निश्चित रूप से इस काम में फिट बैठते हैं।'

कुलदीप नहीं कर पाए जगह पक्की

कुलदीप यादव अभी भी टेस्ट टीम में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाए हैं। ऐसे में भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के लिए स्पिन डिपार्टमेंट को मजबूत बनाना चाहता है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ जडेजा ने अच्छा प्रदर्शन किया था, लेकिन 37 की उम्र के बाद वह और कितना समय तक खेलेंगे। वह टी20 संन्यास ले चुके हैं और वनडे टीम का हिस्सा नहीं हैं। फिटनेस को लेकर छोटी-मोटी दिक्कतों के कारण भारतीय टीम उनकी जगह लेने के लिए और को तैयार करना चाहती है।

हर्ष का शानदार प्रदर्शन

सुतार क्लासिकल स्पिनर हैं और व्हाइट-बॉल क्रिकेट में ज्यादा नहीं खेले हैं। वह पुराने जमाने के स्पिनर हैं, जिनकी ड्रिफ्ट ने अच्छे-अच्छों को भी परेशान किया है। इसी तरह दुबे ने भी एक ऑलराउंडर के तौर पर अच्छा प्रदर्शन किया है। सभी फॉर्मेट में उन्होंने विदर्भ को रणजी ट्रॉफी और विजय हजारे ट्रॉफी जिताने में अहम भूमिका निभाई है। 2024/25 रणजी सीजन के दौरान उन्होंने 69 विकेट लेकर रिकॉर्ड बनाया था।

भारतीय टीम में क्यों चुने गए गुरनूर बरार

नई दिल्ली। भारतीय चयनकर्ताओं ने पंजाब के छह फीट और पांच इंच लंबे गेंदबाज गुरनूर बरार को 14 जून से शुरू होने वाली अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए भी टीम में जगह मिली है। गुरनूर बरार को पहली बार भारतीय टीम में चुना गया है और वह भी दोनों प्रारूपों में। 25 वर्षीय बरार नियमित रूप से भारतीय अभ्यास सत्रों में नेट गेंदबाज के रूप में शामिल होते रहे हैं। टीम प्रबंधन गुड लेंथ से अतिरिक्त उछाल लेने वाली गेंदों का अभ्यास कराने के लिए उनकी सेवाएं लेता रहा है। एक दमदार तेज गेंदबाज बरार को उनके पंजाब टीम के साथी और भारतीय कप्तान शुभमन गिल का भरपूर समर्थन प्राप्त है। गिल ने बरार को अपनी आईपीएल फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटन्स में शामिल किया है। यह तेज गेंदबाज 2025 से फ्रेंचाइजी का हिस्सा है, लेकिन उन्हें अभी तक खेलने का मौका नहीं मिला है। भारतीय गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल भी बरार की लेंथ से अतिरिक्त उछाल पैदा करने की क्षमता की काफी सराहना करते हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लांट नं. 535 एवं 1272, लालगुटवा रातू पुलिस स्टेशन रांची में मुद्रित तथा विजय जनरल स्टोर, हिनू चौक रांची-834002 से प्रकाशित समस्त दिवानी विवाद न्यायोचित एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकारी रांची न्यायालय में रहेगा। पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार। **प्रधान संपादक**-अन्नपूर्णा गुप्ता, कार्यालय नं.0651-2253830,मो.9471717919, 7895244551 ईमेलः alagpahchan@gmail.com, www.alagpahchan.com पोस्टल रजिस्ट्रेशन 2013 JHAHINO0575 RNI No.JHAHIN(2013) 66670